वैशाख कृष्ण पक्ष- 6, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 272 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
08 अप्रैल 2026 बुधवार

आज का मौसम
34.0 अधिकतम
20.8 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page- 7

40 दिन बाद दो हफ्ते का युद्ध विराम

अमेरिका के विनाशकारी अल्टीमेटम की उल्टी गिनती शुरू होने के साथ ही पूरी दुनिया सांसें थामे हुए दुआ कर रही थी कि दोनों देशों के बीच कोई सहमति बन जाए ताकि और ज्यादा विनाश न हो। समय सीमा खत्म होने के ठीक डेढ़ घंटे पहले भारतीय समयानुसार सुबह करीब 4 बजे ट्रम्प का सीजफायर ऐलान आया। फिर पाक पीएम शहबाज शरीफ ने 5.30 बजे लिखा - 'दोनों देशों के बीच जंग रोकने पर रजामंदी हो गई है।' विश्व की आर्थिक रीढ़ तोड़ने वाली इस जंग पर विराम से पूरी दुनिया ने राहत की सांस ली है।

दुनिया ने ली राहत की सांस

» ट्रम्प बोले- पाक प्रधानमंत्री और आर्मी चीफ की अपील के बाद फैसला, चीन का भी दखल

» 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में आमने-सामने बैठेंगे अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधि मंडल

» संघर्ष विराम के साथ ही दुनिया के बाजारों में तेल के दाम गिरे, भारतीय सेंसेक्स 2900 अंक चढ़ा

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन. एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच 40 दिन से जारी जंग के बाद आखिरकार 2 हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यह फैसला पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ असीम मुनीर की अपील के बाद लिया गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह डील पाकिस्तान की मध्यस्थता और आखिरी समय में चीन के दखल के बाद संभव हो पाई। पाकिस्तान ने 2 हफ्ते के सीजफायर का प्रस्ताव रखा था, जिसे ईरान ने स्वीकार कर लिया। समझौते के तहत अमेरिका और इजराइल अपने हमले रोकेंगे। ईरान भी हमले बंद करेगा। इस दौरान होर्मुज स्ट्रेट से तेल, गैस और अन्य जहाजों की सुरक्षित आवाजाही ईरानी सेना की मदद से सुनिश्चित की जाएगी। इसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच 10 अप्रैल को औपचारिक बातचीत पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शुरू होगी।

ट्रम्प ने बताया कि ईरान ने अमेरिका को 10 पाइंट का प्लान भेजा है। उन्होंने कहा कि इस पर आगे बातचीत की जा सकती है। हालांकि ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने दावा किया है कि अमेरिका ने उसका 10 पॉइंट प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। काउंसिल के मुताबिक यह समझौता ईरान की शर्तों पर हुआ है और इसे देश की जीत बताया है। सीजफायर के बाद ट्रम्प ने इसे दुनिया की शांति के लिए बड़ा दिन बताया। सभी पक्ष तनाव खत्म करने के पक्ष में हैं। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही को संभालने में मदद करेगा। आने वाले समय में कई सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे और इससे आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान अब अपने देश के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर सकता है। अमेरिका इस दौरान सप्लाई उपलब्ध कराएगा और हालात पर नजर बनाए रखेगा। ट्रम्प ने भरोसा जताया कि यह दौर मिडिल ईस्ट के लिए 'गोल्डन एज' की शुरुआत साबित हो सकता है।

ईरान अब थक चुका, यह हमारी सौ फीसदी जीत - ट्रम्प

दो हफ्ते का युद्ध विराम हमारी 100 फ़ीसदी जीत और दुनिया में शांति के लिए एक बड़ा दिन है। ईरान अब थक चुका है और शांति चाहता है। होर्मुज स्ट्रेट में तनाव कम करने के लिए हम सकारात्मक भूमिका निभाएंगे। इससे मध्य पूर्व में स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त होगा। हम मानते हैं कि ईरान की 10 सूत्रीय योजना बातचीत का व्यावहारिक आधार है लेकिन सभी शर्तें नहीं मानी गई हैं। अमेरिका अब ईरान के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया में मदद करेगा और क्षेत्र में मौजूद रहेगा। ईरान को बातचीत की मेज पर लाने में चीन ने भी भूमिका निभाई है। अगले दो हफ्तों के भीतर एक स्थायी समझौते को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है।

अभी युद्ध खत्म नहीं, हमारी उंगलियां ट्रिगर पर- मोजतबा

यह सीजफायर हमारे लिए 'ऐतिहासिक जीत' और 'डर पर विजय' है। अमेरिका ने हमारे 10-सूत्रीय शांति प्रस्ताव को स्वीकार किया है, जिसमें हॉर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण, प्रतिबंधों को हटाना और फ्रीज संपत्ति की वापसी शामिल है। अमेरिका द्वारा शर्तें मान लेना उनकी कूटनीतिक हार है। हमने हॉर्मुज स्ट्रेट पर अपनी पकड़ को और मजबूत किया है, जहाजों से टोल वसूलने और सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित करने की बात हमने कही है। यह कदम युद्ध खत्म होने का संकेत नहीं है और अगर अमेरिका या इस्राइल की ओर से कोई भी गलती हुई तो उसका जवाब पूरी ताकत से दिया जाएगा। हमारी उंगलियां ट्रिगर पर हैं और दुश्मन की किसी भी गलती का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

इजराइल बोला- लेबनान के लिए नहीं यह संघर्ष विराम

सीजफायर के बीच इजराइल ने साफ कर दिया है कि यह युद्धविराम लेबनान पर लागू नहीं होगा। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की है। इजराइल ने कहा कि वह ईरान के खिलाफ 2 हफ्ते तक हमले रोकने पर सहमत है, लेकिन यह फैसला इस शर्त पर लिया गया है कि ईरान तुरंत होर्मुज स्ट्रेट खोले और अमेरिका, इजराइल व क्षेत्रीय देशों पर सभी हमले बंद करे। बयान में कहा गया कि यह सीजफायर लेबनान को शामिल नहीं करता, यानी वहां इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष जारी रह सकता है। साथ ही बयान में यह भी कहा गया कि ईरान के पास फिलहाल परमाणु हथियार नहीं हैं, लेकिन इसके बावजूद इजराइल उसे एक संभावित खतरे के रूप में देखता है।

ईरान ने रखी हैं यह 10 शर्तें...

1 . अमेरिका और इजराइल न केवल मौजूदा बमबारी रोकें, बल्कि भविष्य में कोई 'प्रिवेंटिव स्ट्राइक' करने की लिखित गारंटी दें।
2. सभी परमाणु और आर्थिक प्रतिबंधों को हटाया जाए, ताकि ईरान फिर वैश्विक तेल बाजार में लौट सके।
3. अमेरिका और उसके सहयोगी देशों द्वारा फ्रीज किए गए करीब 100 बिलियन डॉलर के फंड ईरान को मिले। इसमें तेल का बकाया पैसा भी है।
4. 14 दिन का सीजफायर एक ऑफिशियल समझौते में बदलना चाहिए, जो मिडिल-ईस्ट में युद्ध को हमेशा के लिए खत्म कर दे।
5. खाड़ी देशों और इराक से अमेरिकी सैन्य ठिकानों को समेटा जाए और क्षेत्रीय सुरक्षा की जिम्मेदारी स्थानीय देशों को दी जाए।
6. हमलों से हुए नुकसान की भरपाई के लिए अमेरिका हर्जाना दे या इंफ्रास्ट्रक्चर को ठीक करने की व्यवस्था करे।
7. ईरान होर्मुज स्ट्रेट पर कानूनी और सुरक्षा कंट्रोल रहे। ईरान इसे अपनी 'समुद्री सीमा' का हिस्सा मानता है।
8. ईरान जहाजों को रास्ता देने को तैयार है, लेकिन इसके लिए एक ईरानी सेना से कोऑर्डिनेशन करना होगा।
9. होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले हर शिप को टोल देना होगा। हर शिप से 20 लाख डॉलर, यानी 19 करोड़ रुपए। वसूल सकते हैं।
10. इजराइल को लेबनान में हिजबुल्लाह, यमन में हुती और सीरिया के खिलाफ ऑपरेशन बंद करने होंगे, ताकि इलाके में तनाव कम हो।

होर्मुज पर समुद्री फीस वसूलेंगे ईरान-ओमान !

सीजफायर समझौते के बाद एपी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर ईरान और ओमान फीस वसूल सकेंगे। एक पाकिस्तानी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि यह प्रावधान सीजफायर डील का हिस्सा है। कहा जा रहा है कि यह अधिकारी सीधे वार्ता में शामिल था और उसने पहचान उजागर न करने की शर्त पर यह जानकारी दी। ईरान इस शुल्क से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल जंग में हुए नुकसान के पुनर्निर्माण में करेगा, जबकि ओमान इस रकम का किस तरह उपयोग करेगा, यह अभी साफ नहीं है। ईरान के प्रस्ताव के अनुसार, इस रास्ते से गुजरने वाले हर जहाज से करीब 20 लाख डॉलर शुल्क लिया जाएगा, जिसे ओमान के साथ शेयर किया जाएगा।

85 सांसदों ने मांगा ट्रम्प का इस्तीफा

एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक 85 से ज्यादा डेमोक्रेट सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को पद से हटाने की मांग की है। ये सभी सांसद यूं तो विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी के हैं, लेकिन इतने बड़े पैमाने पर विपक्ष का दबाव ट्रंप पर पहले नहीं आया था। वैसे भी अमेरिका में ये नैरेटिव चल रही रहा था कि ट्रंप ने ये युद्ध एप्सटीन फाइल्स के गंदे अपराधों को ढकने के लिए छेड़ा है।ट्रम्प ने ईस्टर के मौके पर सोशल मीडिया पर गाली भरा पोस्ट लिखा था। इस वजह से भी देश में उनकी भाषा और पल-पल बदलते रुख को लेकर विरोध के सुर ऊंचे होने लगे। अमेरिका के कई सांसद और नेता कह रहे हैं कि ट्रंप का ईरान युद्ध को लेकर बार-बार शब्द बदलना, रणनीति बदलना और गाली भरा पोस्ट लिखना, उनके मानसिक स्वास्थ्य पर सवाल उठाता है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति को पद से हटाना आसान नहीं है पर कांग्रेस में 25वें संशोधन की धारा 4 लागू करने की मांग जोर पकड़ रही है।

दिल्ली-गुजरात, समय : दोप. 7.30 बजे

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मोहसिना किदवई का निधन

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का आज निधन हो गया। उनके परिवार ने जानकारी देते हुए बताया कि 94 वर्ष की उम्र में उन्होंने आखिरी सांस ली। मोहसिना किदवई का निधन नोएडा के मेट्रो अस्पताल में बुधवार की सुबह हुआ। उनके दामाद रजीउर रहमान किदवई ने बताया कि वह उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थीं। उन्होंने बताया कि निजामुद्दीन के कब्रिस्तान में शाम करीब पांच बजे उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

आज का कार्टून

मुरैना में रेत माफिया ने वन रक्षक को कुचला

मुरैना, एजेंसी

प्रदेश के मुरैना जिले में आज सुबह अवैध रेत माफिया ने एक बार फिर आतंक मचाया। चंबल क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई करने गई वन विभाग की टीम पर हमला हुआ। इस दौरान बदमाशों ने वन रक्षक हरकेश गुर्जर को ट्रैक्टर-ट्रॉली से कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना दिमनी थाना क्षेत्र के रानपुर गांव चौराहे के पास हुई।

पुलिस ने बताया कि अवैध रेत परिवहन की सूचना मिलने पर वन विभाग की 6 सदस्यीय टीम कार्रवाई करने पहुंची थी। इसी दौरान आरोपी ड्राइवर विनोद कोरी ने रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर भागने की कोशिश की। वन रक्षक हरकेश गुर्जर ने उसे रोकने के लिए आगे बढ़ा, तभी विनोद कोरी ने उन्हें कुचल दिया और ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर फरार हो गया।

हरकेश गुर्जर

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई फोटो: पास ही बने पेट्रोल पंप के सीसीटीवी कैमरे में आरोपी विनोद कोरी की तस्वीरें कैद हुई हैं। घटना स्थल पर कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़, एसपी समीर सौरभ और डीएफओ हरिश्चंद्र बघेल पहुंचे और प्रत्यक्षदर्शियों से बात की। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। मृतक का शव मुरैना जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वन विभाग और पुलिस टीम इस मामले में त्वरित कार्रवाई कर रही है, जबकि आरोपी की तलाश जारी है। प्रशासन ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और रेत माफिया के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की तैयारी शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों से अपील की गई है कि वे अवैध रेत परिवहन के किसी भी प्रयास की सूचना तुरंत पुलिस या वन विभाग को दें।

कृषि मंथन कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री यादव

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज जबलपुर में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 'कृषि मंथन 2026' आयोजन में शामिल हुए। इस अवसर पर नए प्रशासनिक भवन का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में गौ पूजन कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया।

मेट्रो एंकर | हिमाचल हाईकोर्ट ने कहा... आरोपी को जेल में रखने से लड़की को मुश्किल होगी

'वासना का नहीं, प्यार का नतीजा' था अपराध, पॉक्सो के आरोपी को जमानत

शिमला, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने पॉक्सो एक्ट के आरोपी को यह कहते हुए नियमित जमानत दी कि उसका नाबालिग के साथ बना संबंध वासना का नहीं, बल्कि प्यार का नतीजा था । कोर्ट ने आरोपी और नाबालिग लड़की के बीच स्वीकार किए गए वैवाहिक संबंध और इस तथ्य पर गौर किया कि उनके मिलन से एक बच्चा भी पैदा हुआ है। कोर्ट ने आगे कहा कि आरोपी को जेल में लगातार रखने से पीड़ित लड़की को मुश्किल होगी। उसे बच्चे को अकेले ही पालना पड़ेगा, क्योंकि हालात एक आपसी सहमति वाले रिश्ते की ओर इशारा करते हैं।

हाईकोर्ट ने माना कि ट्रायल के दौरान ज़मानत मांगने वाले को अनिश्चित काल तक जेल में रखने का कोई कारण नज़र नहीं आता, क्योंकि ऐसा होने पर, आखिरकार नुकसान पीड़ित लड़की का ही होगा। चूंकि यह अपराध वासना का नहीं, बल्कि प्यार का नतीजा था... आपराधिक कार्यवाही जारी रखने और आरोपी को जेल में रखने से परिवार में खलल पड़ेगा। पीड़ित लड़की, नवजात बच्चे और खुद समाज के ताने-बाने को भी नुकसान पहुंचेगा।

यह मामला तब सामने आया जब 15 जनवरी, 2026 को पुलिस को सिविल अस्पताल, चोवारी से एक नाबालिग लड़की के बारे में जानकारी मिली। उसे बच्चे के जन्म के लिए भर्ती कराया गया था । पूछताछ के बाद पुलिस ने पाया कि लड़की नाबालिग थी और उसके साथ आए लोग उसके बालिग होने या शादी से जुड़ा कोई भी दस्तावेज पेश नहीं कर पाए। इसलिए पुलिस ने एफआईआर दर्ज की और उस आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जिसने खुद को लड़की का पति बताया था।

लड़की ने कहा - यह मर्जी का रिश्ता

आरोपी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (बीएनएस) की धारा 483 के तहत नियमित ज़मानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया। उसने दलील दी कि उसने और लड़की ने शादी कर ली थी और वे साथ रह रहे थे। उसने आगे कहा कि लड़की बच्चे को जन्म दे चुकी है और पति की गैर-मौजूदगी में उसके लिए नाबालिग बच्चे को पालना मुश्किल होगा। कोर्ट ने पाया कि नाबालिग लड़की के बयान के अनुसार, उसने कहा था कि उसने अपनी मर्ज़ी से आरोपी के साथ रिश्ता बनाया और उससे शादी की थी। इसके अलावा, कोर्ट ने यह भी पाया कि एफआईआर लड़की या उसके परिवार वालों ने नहीं, बल्कि अस्पताल के अधिकारियों ने दर्ज करवाई थी। लड़की ने याचिकाकर्ता के साथ अपना वैवाहिक जीवन जारी रखने की इच्छा ज़ाहिर की थी। कोर्ट ने आगे यह भी टिप्पणी की कि याचिकाकर्ता का जेल में बने रहना बच्चे पर भी बुरा असर डालेगा।

टीटीनगर में दुकानें जमींदोज, अब कोठी-बंगलों का नंबर

मनमानी: 10 साल में बड़े तालाब की छाती पर 400 अतिक्रमण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर की लाइफ लाइन बड़े तालाब के एफटीएल व 50 मीटर दायरे से अतिक्रमण हटाने को लेकर पिछले कई सालों से कवायद चली आ रही है लेकिन सफलता हासिल नहीं हो सकी है। नतीजतन बीते 10 सालों में तालाब की छाती पर 400 से अधिक छोटे-बड़े, कच्चे -पक्के स्थायी व अस्थायी निर्माण कर लिए गए हैं, जो कि पिछले दिनों हुए सीमांकन के दौरान उजागर हुए हैं। इनको लाल निशान लगाकर चिह्नित कर लिया गया है। इसके बाद कुछ अतिक्रमण हटाए लेकिन बाद में कार्रवाई को ठप कर दिया गया था, अब एक बार फिर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई है। इसके लिए जिला प्रशासन ने 12 दिन की कार्ययोजना तैयार की है, जिसके तहत छह अप्रैल को पहली कारवाई करते हुए भदभदा चौराहा पर बनी नौ दुकान सहित अन्य अतिक्रमण जमींदोज कर दिए गए हैं। अब 10 अप्रैल से लेकर 21 अप्रैल तक लगातार कार्रवाई की जानी है, जिसमें आलीशान कोठी-बंगलों को जमींदोज किया जाना है।

जानकारी के अनुसार फरवरी महीने में सांसद आलोक शर्मा और कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के साथ राजस्व, नगर निगम, वन

विभाग, टीएंडसीपी, पुलिस के अधिकारियों की बैठक ली थी, जिसमें तय किया गया था कि बड़े तालाब के एफटीएल से 50 मीटर दायरे में सीमांकन की कार्रवाई कर सीमाओं को चिह्नित किया जाएगा। इसमें आने वाले सभी तरह के अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद 25 फरवरी को संत हिरदाराम नगर के राजस्व अमले ने वीआईपी रोड, खानू गांव, हलालपुर, बोरवन, लाऊखेड़ी में सीमांकन कर सीमाएं चिह्नित की थी। इस दौरान 250 से अधिक निर्माण पर लाल निशान लगाए गए थे, जिसके बाद टीटीनगर वृत्त में राजस्व अमते ने सूरज नगर, प्रेमपुरा, गौरा गांव सहित अन्य में सीमांकन किया था, जिसमें 150 से अधिक निर्माण चिह्नित किए थे। इन सभी निर्माणों की रिपोर्ट तैयार कर कलेक्टर को सौंप दी गई है।

पुलिस अमले के साथ मिलकर हो रही संयुक्त कार्रवाई

बड़े तालाब के संरक्षण व संवर्धन को देखते हुए शासकीय व निजी भूमि पर किए गए अवैध निर्माण, अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई को अंजाम देने के लिए तहसील व वृत्त अनुसार कार्ययोजना तैयार की गई है। जिसके तहत जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस अमले के सहयोग से कार्रवाई कर अतिक्रमणों को जमींदोज किया जाएगा। अपर कलेक्टर अंकुर मेश्राम ने बताया कि बड़े तालाब के एफटीएल, 50 मीटर दायरे में चिह्नित किए गए सभी अतिक्रमणों को हटाने के लिए टीम गठित कर दी गई है। राजस्व, नगर निगम, पुलिस अमला मिलकर संयुक्त रूप से कार्रवाई कर रहा है। वहीं शासकीय भूमि पर पसरे अन्य कब्जों को भी हटाने की कार्रवाई की जाएगी, जिसके लिए दिवस अनुसार योजना तैयार की गई है। संत हिरदाराम नगर वृत्त में राजस्व अमले ने वीआइपी रोड पर एक कोचिंग क्लासेस, शासकीय बंगला, केके हाउस, सुपर बिल्डर का निर्माण, खानूगांव में लान, आइएएस का बंगला, स्थायी मकान, आर्मी का स्पोर्टस सेंटर, डेयरी, मैरिज गार्डन, हलालपुर में मैरिज गार्डन, फैक्ट्री, नर्सरी, बोरवन, बेहटा में झुग्गियां सहित अनेक अतिक्रमण चिह्नित किए गए हैं।

जब सिर्फ घास का मैदान था, तब भोपाल ने 8-ओलिंपियन दिए, अब...

करोड़ों का इन्फ्रा होने के बाद भी 26 साल में कोई खिलाड़ी ओलिंपिक नहीं पहुंच सका

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल को कभी 'हॉकी की नर्सरी' कहा जाता था। इस शहर ने 8 ओलिंपियन समेत 39 अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी दिए। 120 साल के ओलिंपिक इतिहास में भोपाल के खिलाड़ियों ने 4 गोल्ड समेत कुल 6 मेडल दिलाए और ये सभी 20वीं सदी में जीते गए। तब यहां खेल सुविधाओं के नाम पर सिर्फ ऐशबाग का घास का मैदान था। न बजट था, न संसाधन।

आज शहर में 7 एस्ट्रो टर्फ के अलावा 1000 करोड़ का मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स है। लेकिन, नई सदी के 26 साल में भोपाल से एक भी हॉकी खिलाड़ी ओलिंपिक तक नहीं पहुंच सका। भारतीय टीम में मप्र से सिर्फ विवेक प्रसाद हैं, जो होशंगाबाद से हैं।

एक समय सक्रिय थे 79 क्लब

1970-90 के दौर में भोपाल में 79 हॉकी क्लब सक्रिय थे। आज एक भी क्लब प्रभावी रूप से संचालित नहीं है। जो रजिस्टर्ड हैं भी, वे निष्क्रिय हैं। जमीनी स्तर पर प्रतिभा का प्रवाह थम गया है।

अकादमी मॉडल से शूटिंग, एथलेटिक्स में कुछ सुधार: हालांकि शूटिंग और एथलेटिक्स में कुछ सुधार जरूर हुआ। अकादमी मॉडल का लाभ मिला है। नेशनल गेम्स में मप्र दो बार टॉप-5 में रहा और अब चौथे स्थान तक पहुंच गया है। पहले रैंकिंग 12-17 के बीच रहती थी। खेल विभाग के ज्वाइंट डायरेक्टर का कहना है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर का असर दिख रहा है। हॉकी सहित अन्य खेलों में भी सुधार होगा।

समस्याएं और समाधान

- भोपाल में कई एस्ट्रो टर्फ हैं, लेकिन उपयोग सीमित है। ग्रासरूट पहुंच नहीं।
- पहले स्कूल-मोहल्लों से खिलाड़ी निकलते थे, अब स्काउटिंग कमजोर।
- पुरानी ट्रेनिंग मेथड्स से इंटरनेशनल लेवल की स्पीड-स्किल नहीं मिल रही।
- लोकल टूर्नामेंट कम हुए, खिलाड़ियों को मैच प्रैक्टिस नहीं मिल पा रही।
- सरकार-संघों के बीच तालमेल कम, भोपाल हॉकी में काफी विवाद रहा।
- स्कूल-कॉलेज के लिए टर्फ खोलें। 15 खिलाड़ी अन्य शहरों से हर माह बुलाएं।
- हर साल टैलेंट सर्च अभियान चलाएं, स्कूल हॉकी लीग शुरू करें।
- इंटरनेशनल एक्सपोजर वाले कोच लाएं, कोचेज को रेगुलर ट्रेनिंग दिलाएं।
- औबेदुल्ला कप शुरू करें, साल भर इंटर-क्लब, इंटर-स्कूल टूर्नामेंट हों।
- 'भोपाल हॉकी मिशन' बनाया जाए, जिसमें सरकार, संघ व पूर्व खिलाड़ी हों।

14 किमी लंबे मेट्रो ट्रैक पर पोल खड़े करने का काम जारी

प्रभात चौराहे से लेकर पिपलानी तक मेट्रो के अधिकारियों ने निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल मेट्रो की दूसरी परियोजना ब्ल्यू लाइन मेट्रो का काम तेजी से रत्नागिरी से भदभदा के बीच चल रहा है। प्रभात चौराहे से लेकर पिपलानी तक मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारियों ने पैदल चलकर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। मेट्रो के पीआरओ धीरज शुक्ला ने बताया कि 14 किमी लंबे मेट्रो का रत्नागिरी, पिपलानी से जेके रोड तिराहे तक पोल खड़े करने का काम तेजी से जारी है। अब प्रभात चौराहे से जेके रोड तिराहे वाले 3 किमी हिस्से में मेट्रो का काम शुरू होना है। इसके लिए जल्द ही सड़क के दोनों तरफ के अतिक्रमण हटाने के लिए जिला प्रशासन से कहा गया है। इससे पहले भोपाल मेट्रो की उक्त लाइन के लिए अधिकारियों ने कार्ययोजना के अनुसार चर्चा की।

राजधानी में पहली बार डबल-डेकर ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर का निर्माण शुरू हो गया है। प्रभात चौराहे पर बनने वाला यह प्रोजेक्ट शहर के ट्रैफिक और मेट्रो नेटवर्क को एक साथ जोड़ने वाला अहम इंफ्रास्ट्रक्चर होगा। यहां नीचे पीडब्ल्यूडी का फ्लाईओवर और उसके ऊपर मेट्रो का एलिवेटेड ट्रैक बनाया जाना है। इस प्रोजेक्ट के तहत पीडब्ल्यूडी 650 मीटर लंबा और करीब 10 मीटर ऊंचा फोरलेन फ्लाईओवर बनाएगा। इसके ऊपर करीब 5.5 मीटर की अतिरिक्त ऊंचाई पर मेट्रो का ट्रैक तैयार होगा, जो रत्नागिरी से भदभदा चौराहा तक प्रस्तावित ब्लू लाइन का हिस्सा है।

कैपिटल पंप से शुरू, चौराहे से आगे लैंड होगा फ्लाईओवर - यह फ्लाईओवर कैपिटल पेट्रोल पंप के पास से शुरू होकर प्रभात चौराहे से थोड़ा आगे जाकर लैंड होगा। पुल बोगदा मेट्रो स्टेशन से इसकी दूरी करीब 1.14 किमी होगी। फ्लाईओवर के अंतिम छोर के पास ही प्रभात मेट्रो स्टेशन प्रस्तावित है, जिससे कॉरिडोर की कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। इंजीनियरों का कहना है कि निर्माण दो चरणों में होगा। पहले चरण में पीडब्ल्यूडी फ्लाईओवर के पिलर खड़े करेगा। इसके बाद मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए बीच में करीब 2.5 मीटर व्यास के पिलर बनाए जाएंगे।

आंधी-बारिश का दौर

प्रदेश के ऊपरी हिस्से में तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) एक्टिव है। इस वजह से आंधी-बारिश का दौर फिर से शुरू हो गया है।

'90 डिग्री ब्रिज' का बदलेगा डिजाइन 2.5 मीटर तक बढ़ाया जाएगा रेडियस

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल के चर्चित ऐशबाग के 90 डिग्री रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) को लेकर बना संशय आखिरकार खत्म हो गया है। पिछले 10 महीनों से लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और रेलवे के बीच चल रही खींचतान पर हुई उच्च स्तरीय बैठक में सहमति बन गई। बैठक में ब्रिज के खतरनाक मोड़ को री-डिजाइन करने पर निर्णय हुआ। मोड़ के रेडियस को दो से 2.5 मीटर तक बढ़ाया जाएगा, जिससे इसकी चौड़ाई 8.5 मीटर से बढ़कर 10.5 से 11 मीटर तक हो जाएगी। सुधार के बाद इस ओवरब्रिज से भारी और मध्यम वाहन आसानी से मुड़ सकेंगे और दुर्घटना का खतरा कम होगा। गौरतलब है कि जून 2025 में करीब 18 करोड़ की लागत से बने इस ब्रिज के तीखे मोड़ (119 डिग्री) के कारण इसे अब तक आम जनता के लिए बंद रखा गया है। हालांकि तब से ही यह 90 डिग्री ओवरब्रिज के नाम से चर्चित हो गया है। पिछले साल जून में करीब 18 करोड़ रुपये की लागत से बना यह ब्रिज अपने अजीबोगरीब मोड़ के कारण देशभर में चर्चा और आलोचना का विषय बन गया था। इसके बाद पीडब्ल्यूडी के सात इंजीनियरों को निलंबित किया गया। मोड़ में सुधार के लिए मैनिट समेत अन्य एजेंसियों के विशेषज्ञों ने कई बार निरीक्षण किया। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि जिस दिशा में मेट्रो लाइन गुजर रही है, वहां से मोड़ का रेडियस बढ़ाना संभव नहीं है। नए डिजाइन पर काम होने के बाद रेलवे और पीडब्ल्यूडी के बीच कई दौर की बैठकें हुईं। लंबी प्रक्रिया के बाद अब जाकर सभी तकनीकी बाधाएं दूर हो सकी हैं।

एलएनसीटी में राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित

जूनियर बालक वर्ग में देवास, जूनियर बालिका में सीहोर और महिला वर्ग में शाजापुर बना विजेता

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में एलएनसीटी भोपाल में आयोजित 7वीं राज्यस्तरीय सीनियर एवं जूनियर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का समापन शानदार मुकाबलों के साथ हुआ।

जूनियर बालिका वर्ग में पहले सेमीफाइनल में रायसेन ने इंदौर को 30-0 से तथा दूसरे सेमीफाइनल में नर्मदापुरम ने सीहोर को 5-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में सीहोर ने रायसेन को 5-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में नर्मदापुरम ने इंदौर को 25-0 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। जूनियर बालक वर्ग में पहले सेमीफाइनल में बैतूल ने नर्मदापुरम को 5-0 से तथा दूसरे सेमीफाइनल में देवास ने रायसेन को 10-5 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में देवास ने बैतूल को 20-5 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में रायसेन ने नर्मदापुरम को 35-0 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। सीनियर महिला वर्ग में पहले सेमीफाइनल में नर्मदापुरम ने इंदौर को 5-0 से व दूसरे सेमीफाइनल में शाजापुर ने बैतूल को 5-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में शाजापुर ने इंदौर को 5-0 से हराकर खिताब जीता। तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में नर्मदापुरम ने बैतूल को 10-0 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' पर जागरुकता कार्यक्रम

विद्यार्थियों को आंखों का महत्व बताकर किया जागरूक

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर शहीद हेमू कालाणी एजुकेशन सोसायटी के स्कूलों में जागरुकता सत्र आयोजित किए गए। प्रार्थना सभा में बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने को कहा गया। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के निदेशक (विपणन एवं शिक्षा) गोपाल गिरधानी ने आंखों की नियमित देखरेख पर बल दिया। नवनिध और मिठी पब्लिक स्कूल में गोपाल गिरधानी ने विद्यार्थियों को आंखों के महत्व के बारे में जागरूक किया।

उन्होंने बताया कि किस प्रकार नियमित देखभाल, संतुलित आहार और उचित आदतों के माध्यम से आंखों को स्वस्थ रखा जा सकता है। इसी क्रम में विद्यार्थियों एवं स्टाफ को कूपन वितरित किए गए, जिनके माध्यम से उन्हें सेवा सदन आई हॉस्पिटल, गांधीनगर में निःशुल्क नेत्र जांच की सुविधा प्रदान की जाएगी। विद्यालय के खेल विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए खेलकूद एवं योग सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों को विभिन्न योगासन एवं व्यायाम कराए गए तथा स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारियां दीं। शिक्षिकाओं ने उन्हें स्वस्थ आहार के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जंक फूड से होने वाले नुकसान और स्वस्थ भोजन अपनाने के लाभों के बारे में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्वेता परियानी ने किया।

मेट्रो एंकर

39वें दीक्षांत समारोह में 3063 विद्यार्थियों को मिली उपाधियां

इग्नू, समाज के वंचितों तक पहुंचा रहा दूरस्थ शिक्षा : डॉ. पांडेय

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. उमेश चंद्र पांडेय ने कहा कि दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा, भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में उच्च शिक्षा के विस्तार का प्रभावी माध्यम है। इग्नू न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है, बल्कि समाज के उन वर्गों तक भी शिक्षा पहुंचा रहा है, जो पारंपरिक शिक्षा प्रणाली से वंचित रह जाते हैं।

डॉ पांडेय, अरेरा हिल्स स्थित इग्नू के 39 वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि युवाओं को भारतीय ज्ञान परंपरा, विदेशी भाषाओं एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में दक्ष बनाने के लिए विभिन्न जिलों में अध्ययन केंद्रों का विस्तार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय केंद्र भोपाल शिक्षा की गुणवत्ता, नवाचार और छात्र सहायता सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। मॉडल स्टडी सेंटर को एक आदर्श केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, जहां ऑनलाइन परीक्षा, काउंसलिंग और मूल्यांकन की व्यवस्थाएं प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं। डॉ पांडेय ने भोपाल केंद्र से उतीर्ण विद्यार्थियों को बधाई दी। बता दें कि इग्नू का मुख्य दीक्षांत समारोह दिल्ली के मैदानगढ़ी में हुआ। इस आयोजन के साथ ही भोपाल समेत देशभर के 51 क्षेत्रीय केंद्रों में टेलीकॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुआ। भोपाल क्षेत्रीय केंद्र में आयोजित दीक्षांत समारोह उत्साहपूर्वक आयोजित हुआ। यहां लगभग 3063 पात्र विद्यार्थियों में से 250 से अधिक को व्यक्तिगत रूप से उपाधियां प्रदान की गईं। स्नातक एवं परास्नातक स्तर के सफल अभ्यर्थियों को डिग्रियां दी गईं। क्षेत्रीय केंद्र भोपाल से कुल 1853 विद्यार्थी ने प्रथम श्रेणी, तो 91 विद्यार्थियों को विशिष्ट श्रेणी के साथ उपाधियां दी गईं। इसके अलावा ज्योतिष एवं वास्तु विषय के डिप्लोमा में सफल 28 और मॉडल अध्ययन केंद्र कोड-1500 से जुड़े 783 विद्यार्थियों को उपाधि से सम्मानित किया।

निगम ने एनएचएआई से 19 लाख हर्जाना मांगा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल। नगर निगम ने अयोध्या बायपास मार्ग पर सड़क निर्माण कार्य के दौरान पेयजल पाइप लाइनों को नुकसान पहुंचाने के मामले में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से क्षतिपूर्ति हर्जाने की राशि वसूलने की कार्रवाई शुरू की है। निगम प्रशासन ने एनएचएआई के परियोजना संचालक को पत्र लिखकर 19 लाख 49 हजार 400 रुपये की राशि निगम कोष में जमा कराने के निर्देश दिए हैं। निगम के जलकार्य विभाग से आयुक्त संस्कृति जैन के अनुमोदन के बाद पत्र भेज दिया गया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि सड़क निर्माण कार्य के दौरान जलप्रदाय की पाइप लाइनों को बारबार क्षतिग्रस्त किया जा रहा है, जिससे जलापूर्ति बाधित होने के साथ ही निगम को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश विधानसभा द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए नवगठित सभा समितियों की संयुक्त बैठक को विधानसभा में संबोधित किया।

गृह विभाग का बड़ा फैसला,

14 अप्रैल को 87 बंदियों की रिहाई, 7 को सजा में राहत

भोपाल। मध्यप्रदेश गृह विभाग ने बंदियों को लेकर बड़ा निर्णय लिया है। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती (14 अप्रैल) के अवसर पर 87 आजीवन कारावास की सजा काट रहे बंदियों को समय से पहले रिहा किया जाएगा। वहीं, 7 अन्य बंदियों को उनकी सजा में विशेष छूट देने का निर्णय लिया गया है। गृह विभाग द्वारा जारी निर्देशों के मुताबिक, अच्छे आचरण वाले बंदियों को वर्ष में पांच महत्वपूर्ण अवसरों पर सजा में छूट या समयपूर्व रिहाई दी जाती है। इनमें 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस), 14 अप्रैल (अंबेडकर जयंती), 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस), 2 अक्टूबर (महात्मा गांधी जयंती) और 15 नवंबर (राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस) शामिल हैं।

अच्छे व्यवहार को मिलता है प्रोत्साहन

सरकार का मानना है कि इस तरह की रियायत से बंदियों में अच्छा व्यवहार बनाए रखने की प्रेरणा मिलती है। इससे जेलों में अनुशासन बना रहता है और प्रशासनिक व्यवस्था भी बेहतर होती है। इससे पहले 26 जनवरी 2026 को भी 94 बंदियों को इसी तरह राहत दी गई थी। सरकार का कहना है कि समयपूर्व रिहाई से बंदियों को समाज में दोबारा बसने में आसानी होती है।

संसदीय कार्यमंत्री का खुलासा-एक एसपी को बचाने की विनती की थी दिग्विजय ने

विधानसभा समितियों के पावर कम नहीं, वे चाहें तो अफसरों की खाट खड़ी कर सकती हैं : कैलाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विधानसभा की समितियों को विधानसभा के बराबर बताते हुए कहा है कि इन समितियों के सदस्य और सभापति के अधिकार ऐसे हैं कि अधिकारी झुकने को मजबूर हो जाते हैं। विधायक यह न समझें कि समितियां कम पावर की होती हैं। मैं समिति का सदस्य रहने के दौरान स्टडी करके जब सवाल करता था तो अधिकारियों की खाट खड़ी हो जाती थी। समिति के तथ्यों को गंभीरता से रखा जाए तो ब्यूरोक्रेसी को सुनना पड़ता है।

मंत्री विजयवर्गीय ने ये बातें विधानसभा में विधानसभा की समितियों के सभापतियों और सदस्यों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए कहीं। विजयवर्गीय ने कहा कि विधानसभा की यह समिति जो होती हैं, इसके महत्व को आप विधायक लोग बढ़ा सकते हैं। समितियों की रिपोर्ट को सरकार भी गंभीरता से लेती है ब्यूरोक्रेसी को सुनना पड़ता है। कैलाश ने कहा जब वे पहली बार के विधायक थे तो विशेषाधिकार समिति में थे। उस समय सागर के कलेक्टर-एसपी ने विधायकों के साथ बदसलूकी की थी। तब एसपी को प्रताड़ित किया तो तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने पर्सनली बात की थी। कहा था कि अधिकारी के जीवन में दाग लग जाएगा। उन्होंने बहुत अनुनय विनय की थी। दिग्विजय सिंह अनुनय विनय में माहिर थे। उन्होंने कहा था कि जो नाराजगी है, विधायक उनसे कह सकते हैं। तब जाकर सब माने थे। इसके बाद ब्यूरोक्रेसी में एक अच्छा मैसेज गया।

विस की रिपोर्ट मानी जाती है समितियों की रिपोर्ट

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि जो महत्व विधानसभा का है वही महत्व विधानसभा की समिति का है। विधानसभा की समिति जो रिपोर्ट प्रस्तुत करती है वह विधानसभा की रिपोर्ट मानी जाती है। उन्होंने कहा कि पिछली बार विधानसभा अध्यक्ष से और पूर्व प्रमुख सचिव एपी सिंह से उन्होंने समितियों के कामकाज को लेकर पूछा था कि समितियों की क्या हाल हैं तो उन्होंने बताया था कि बहुत स्लो गति है। फिर हम लोगों ने तय किया कि एक बार बैठकर सभी कमेटी के लोगों से चर्चा करना चाहिए।

समिति की रिपोर्ट को गंभीरता से लेती है सरकार

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि अभी मैंने पिछले दिनों अपने विभाग के आश्वासन समिति की रिपोर्ट का अध्ययन किया और एसीएस को कहा कि आश्वासन समिति की रिपोर्ट देखिए। इसके बाद बताया गया कि 95 प्रतिशत आश्वासन पूरे हो चुके हैं।उन्होंने कहा कि अधिकारियों को समितियों की रिपोर्ट पर सुनना पड़ता है। जरूरी है कि आपकी समिति एक निर्णय ऐसा दे दे जो सिस्टम की गंभीरता से जुड़ा हो। विधायकों के विशेष अधिकार की सुरक्षा का ध्यान रखती है विशेषाधिकार समिति

समितियों की बैठक नियमित होने का लक्ष्य रखा जाना चाहिए-तोमर

इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि अगर सबसे बड़ी पंचायत लोकसभा है तो पंचायत व नगरीय निकाय छोटी इकाई हैं। विधानसभा पूरे राज्य का प्रतिनिधित्व करती है। विधानसभा की भूमिका मां की तरह होती है। जिस तरह मां अपने बच्चे को जन्म देती है, उसका लालन-पालन कर उसे देश के हित में तैयार करने की कल्पना करती है, ठीस उसी तरह हम भी विधानसभा को मां की भूमिका में देखेंगे तो हम भी अपने दायित्व को उसके संपूर्ण रूप में देख पाएंगे। तोमर ने कहा कि मध्य प्रदेश के विधायी इतिहास में विधानसभा की समितियों ने उल्लेखनीय कार्य किया है। मगर बीते कुछ वर्षों में कुछ सदस्य लगातार इन समितियों की बैठकों में अनुपस्थित रहे। इस पर चिंतन की आवश्यकता बताते हुए विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि समितियों की बैठक नियमित होने का लक्ष्य रखा जाना चाहिए। एक वर्ष में कम से कम 12 बैठकें होने की अपेक्षा है।समिति की बैठक होने से विधानसभा के कार्य व्यवहार में सुधार की संभावना होगी। समितियों की बैठक का यदि परिणाम नहीं भी निकलता है तो भी अध्ययन प्रक्रिया से हमारा ज्ञान समृद्ध होगा।

सदस्यों के आचरण पर चिंतन की जरूरत- सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विधानसभा में कुछ सदस्यों के आचरण पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कई बार कुछ सदस्य दायरे के बाहर जाकर कार्य कर जाते हैं। सकारात्मक आलोचना का स्वागत है, लेकिन इस तरह का आचरण अपेक्षित नहीं होता। ऐसे में संसदीय समितियों का बड़ा महत्व है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के संसदीय ज्ञान व नवाचारों के माध्यम से मध्य प्रदेश विधानसभा की कार्यवाहियां संसदीय इतिहास की परंपरा को समृद्ध करेगी। समितियों की संयुक्त बैठक को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी संबोधित किया। आभार प्रदर्शन प्राक्कलन समिति के सभापति अजय विश्नोई ने किया। इस बैठक में मध्यप्रदेश विधानसभा की कुल 21 समितियों के सभापति एवं सदस्यगण तथा मध्यप्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा एवं सचिवालय के अधिकारीगण उपस्थित थे।

निजी स्कूल संचालकों-प्रिंसिपलों-बुक सेलर्स को हाईकोर्ट से झटका-

कॉपी-किताबों में कमीशनखोरी के सबूत नजरअंदाज नहीं किए जा सकते, एफआईआर रद्द नहीं होंगी

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

जबलपुर में मनमानी फीस वसूली और कॉपी किताबों में कमीशनखोरी के मामले में निजी स्कूलों के संचालकों, प्रिंसिपल और बुक सेलर्स को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने निजी स्कूलों, बुक सेलर्स और पब्लिशर्स के गठजोड़ से जुड़ी एफआईआर को रद्द कराने की मांग ठुकरा दी है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि मामले में गंभीर आरोप और पर्याप्त सुबूत मौजूद हैं, इसलिए एफआईआर रद्द नहीं की जा सकती। ट्रायल कोर्ट में यह मामला जारी रहेगा।

दो साल पहले जिला प्रशासन की जांच में खुलासा हुआ था कि स्कूल प्रबंधन ने निर्धारित सीमा से ज्यादा फीस बढ़ाई और छात्रों को चुनिंदा दुकानों से किताबें खरीदने के लिए मजबूर किया। जांच में ये भी पाया गया था कि कुछ किताबों पर डुप्लीकेट या संदिग्ध ISBN नंबर दर्ज थे, और स्कूल प्रबंधन, बुक सेलर्स ,पब्लिशर्स के गठजोड़ से पैरेंट्स को ऊंचे दामों पर किताबें बेचीं गईं।

जिला प्रशासन की जांच रिपोर्ट के आधार पर जबलपुर के ओमती, बेलबाग, संजीवनी नगर, ग्वारीघाट और गोराबाजार थानों में कई एफआईआर दर्ज की गई थीं, जिन्हें स्कूल प्रिंसिपल्स, प्रबंधन और बुक सेलर्स ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। जस्टिस बीपी शर्मा की कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई, जिसमें राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि कई मामलों में फीस में 50 प्रतिशत से अधिक वृद्धि की गई और छात्रों को विशेष दुकानों से ही किताबें खरीदने के लिए बाध्य किया गया। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि रिकॉर्ड में मौजूद दस्तावेज, जब्त सामग्री और गवाहों के बयान ,आपराधिक साजिश और अवैध आर्थिक लाभ के प्रयास की ओर संकेत करते हैं। अदालत ने कहा कि ऐसे में तथ्यों की जांच और साक्ष्यों का परीक्षण ट्रायल कोर्ट का विषय है, ना कि हाईकोर्ट से एफआईआर रद्द करने का।

किन-किन पर लगे आरोप

मामले में जबलपुर और कटनी के कई मिशनरी स्कूलों के प्रिंसिपल और प्रबंधन से जुड़े लोग शामिल हैं, जैसे अतुल अनुपम इब्राहम, लवी मैथ्यू, एकता पीटर्स, चंद्रशेखर विश्वकर्मा (सेवानिवृत्त प्रिंसिपल) के साथ चिल्ड्रन्स बुक हाउस संचालक सूर्यप्रकाश वर्मा और शशांक श्रीवास्तव के नाम भी सामने आए हैं। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि स्कूलों, बुकसेलर्स और पब्लिशर्स के बीच संगठित मिलीभगत थी। एक मोनोपोलिस्टिक सप्लाई चेन तैयार की गई। अभिभावकों पर दबाव बनाकर महंगी किताबें खरीदवाई गईं। इससे अवैध और अत्यधिक मुनाफा कमाया गया। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह मामला केवल प्रशासनिक गड़बड़ी नहीं बल्कि आपराधिक षड्यंत्र का संकेत देता है। आरोपियों को पहले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी थी, लेकिन उन्होंने एफआईआर रद्द कराने के लिए याचिकाएं दायर की थीं। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता दिनेश प्रसाद पटेल ने कार्रवाई को पूरी तरह वैध बताया, जिसे अदालत ने स्वीकार किया।

सूबे में किसानों के लिए बड़ी राहत,

अब साल में दो बार नहीं सिर्फ एक ही बार चुकाना होगा फसल का लोन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। कृषक कल्याण वर्ष में मध्य प्रदेश सरकार प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों से खरीफ और रबी फसलों के लिए अल्पावधि ऋण लेने वाले लाखों किसानों को बड़ी राहत देने जा रही है। उन्हें वर्ष में दो बार ऋण नहीं चुकाना होगा। इसके स्थान पर एक बार मई या जून में ऋण अदायगी कर सकेंगे। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि सीजनवार ऋण अदायगी अनिवार्य न होने से किसान डिफाल्टर न हों।

उल्लेखनीय है कि अभी किसानों को जून में रबी और मार्च में खरीफ सीजन में लिया गया ऋण चुकाना होता है। वर्ष 2025 के खरीफ सीजन के लिए अंतिम तिथि 28 मार्च थी लेकिन गेहूं का उपार्जन प्रारंभ न होने के कारण किसानों के पास राशि न होने को आधार बनाकर तिथि बढ़ाने की मांग हो रही थी।

मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने सहकारिता और वित्त विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे ऐसी योजना बनाएं, जिससे वर्ष में एक बार में किसान दोनों सीजन का ऋण चुका सकें। उल्लेखनीय है कि 91 प्रतिशत किसान खरीफ फसलों के लिए ऋण चुका चुके हैं।

खेती की लागत घटाने के लिए सहकारी समितियों के माध्यम से सरकार किसानों को तीन लाख रुपये तक बिना ब्याज का अल्पकालीन फसल ऋण उपलब्ध कराती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में करीब 35 लाख किसानों को 21,232 करोड़ रुपये का अल्पकालीन फसल ऋण दिया गया।

खरीफ ऋण चुकाने की अंतिम तिथि थी 18 मार्च

खरीफ सीजन का ऋण चुकाने के लिए अंतिम तिथि 28 मार्च थी। गेहूं, चना, मसूर सहित अन्य उपज का समर्थन मूल्य पर उपार्जन प्रारंभ नहीं हुआ है, ऐसे में किसानों की मांग थी कि ऋण अदायगी की अंतिम तिथि बढ़ाई जाए नहीं तो कई नुकसान होंगे। पहला, उन्हें ब्याज सहित राशि लौटानी होगी और दूसरा वे डिफॉल्टर हो जाएंगे। उन्हें आगे बिना ब्याज का ऋण नहीं मिलेगा। इससे सरकार की खेती की लागत घटाने की मंशा पूरी नहीं हो पाएगी। भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों, मंत्रियों और अधिकारियों की हाल में हुई बैठक में जब यह मुद्दा उठा तो मुख्यमंत्री पूरा मामला समझा और निर्देश दिए कि ऐसी व्यवस्था बना दी जाए, जिससे किसान दो बार के स्थान पर एक बार में ही ऋण चुका सकें। इसके लिए उन्हें पर्याप्त समय भी मिले। मई-जून तक रबी सीजन की उपज बिक जाती है तो इस समय की कोई तिथि निर्धारित की जा सकती है।

अंतिम तिथि बढ़ाने से गड़बड़ा जाता है पूरा सिस्टम

सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने बताया कि भारत सरकार से डेढ़ प्रतिशत ब्याज अनुदान सभी ऋणी किसान और तीन प्रतिशत नियमित अदायगी करने वाले किसानों को प्रोत्साहन स्वरूप दिया जाता है। यदि खरीफ सीजन का ऋण चुकाने की अंतिम तिथि 28 मार्च से बढ़ाकर 30 अप्रैल की जाती है तो समितियों को भारत सरकार से ब्याज अनुदान की प्राप्ति दो-ढाई वर्ष बाद होगी। समितियों का कंप्यूटरीकरण चल रहा है। ड्यू डेट, ब्याज दर तथा ब्याज गणना सिस्टम द्वारा ही होगी। ऐसी स्थिति में ब्याज गणना में कठिनाई होगी। इतना ही नहीं ब्याज सहायता 12 माह के ऊपर होने से निर्धारित तिथि में वृद्धि का वित्तीय भार (लगभग 49 करोड़ रुपये) राज्य को ही उठाना होगा।

अस्पतालों में पहली बार अस्पतालों में हर छोटी वस्तु का दर्ज होगा लेखा-जोखा, स्टोर की गड़बड़ियों पर लगेगी लगाम

भोपाल। प्रदेश के शासकीय अस्पतालों में उपलब्ध कुर्सी-टेबल हो या अन्य सामग्री अब उसका विवरण भी ऑनलाइन दर्ज होगा। इसके लिए विभाग इन्वेंट्री मैनेजमेंट सिस्टम (आईएमएस) के नाम से नया सॉफ्टवेयर मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन से तैयार कराया जा रहा है। इसमें यह उल्लेख भी रहेगा कि कौन सी सामग्री कब खरीदी गई थी। स्टोर से किसे दी गई, कब दी गई, उनके पास से कब लौटी। इसका लाभ यह होगा कि सामग्री का पूरा विवरण रहेगा। कहां किस चीज की कमी है, यह पता करना भी आसान रहेगा। इससे स्वास्थ्य विभाग को खरीदी से लेकर नीति बनाने तक में सहायता मिलेगी।

ईक्यूएमआईएस की तर्ज पर काम करेगा नया आईएमएस सॉफ्टवेयर

बता दें कि इसके पहले उपकरणों का विवरण और उनकी मरम्मत के लिए इक्विपमेंट मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (ईक्यूएमआईएस) लागू किया गया जा चुका है। यह व्यवस्था इसलिए की गई है कि उपकरणों के खराब होने पर एक सप्ताह के भीतर सुधारा जा सके। इसी तरह का लाभ अन्य सामग्री की मरम्मत में भी मिलेगा। उदाहरण के तौर पर कहीं कोई सामग्री खराब है, मरम्मत नहीं हो पा रही है तो उसका विवरण भी आसानी से देखा जा सकेगा। दो से तीन माह में यह सॉफ्टवेयर तैयार होने के बाद जिलों में एंट्री प्रारंभ हो जाएगी।

फिर सामने आया भ्रष्टाचार

हाथों से पपड़ी की तरह उखड़ रही डामर की सड़क

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में सड़कों के बड़े-बड़े दावे अक्सर सुर्खियों में रहते हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां करती है। ऐसा ही एक मामला सामने आया है सिवनी मालवा से, जहां पीडब्ल्यूडी द्वारा कराए जा रहे सड़क नवीनीकरण कार्य में गंभीर लापरवाही और घटिया निर्माण उजागर हुआ है। बांकाबेड़ी से झीगनपुर बासनिया गांव तक करीब 5.7 किलोमीटर लंबी सड़क, जिस पर 70 से 73 लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं, उसकी डामर की परत इतनी कमजोर निकली कि हाथों से ही उखड़ने लगी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेका कंपनी याराना कंस्ट्रक्शन ने बिना उचित सफाई और तकनीकी मापदंडों का पालन किए 700 मीटर हिस्से में डामर बिछा दिया, जिससे पूरे निर्माण कार्य पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जैसे ही ग्रामीणों को यह घटिया निर्माण दिखाई दिया, वे सरपंच वरुण पटेल के साथ मौके पर पहुंचे और सड़क की परत को हाथों से उखाड़कर वास्तविक हालात दिखा दिए। दृश्य चौंकाने वाला था—डामर की परत इतनी कमजोर थी कि वह बिल्कुल भी टिक नहीं रही थी। जानकारी के अनुसार ठेकेदार ने इस सड़क को जल्दबाजी में रातों-रात तैयार करने की योजना बनाई थी।

दोपहर मेट्रो

सहकारिता के प्रमुख सचिव ने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों को दिए निर्देश

10 लाख नये सदस्य बनाने पर कार्य करें जिला बैंक के सीईओ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अपेक्स बैंक में प्रदेश के 38 जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुये प्रमुख सचिव सहकारिता एवं प्रशासक अपेक्स बैंक डी.पी.आहूजा ने केसीसी व ऋण वितरण, पैक्स कम्प्यूटराईजेशन, अमानत संग्रहण आदि की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि सभी सी.ई.ओ. आगामी वित्तीय वर्ष में प्रदेश में 10 लाख नये सदस्यों को पैक्स के माध्यम से जोड़ने के लक्ष्य को लेकर योजनाबद्ध रणनीति बनाकर कार्य सम्पादित करें। उन्होंने कहा कि इस कार्य में वर्तमान में भले ही चुनौतियां ज्यादा हैं, लेकिन इसके दूरगामी सकारात्मक एवं लाभप्रद परिणाम से मध्यप्रदेश का सहकारी साख आन्दोलन अत्यन्त सुदृढ़ एवं सशक्त बनेगा।

आहूजा ने यह भी अपेक्षा कि आप अपने बैंक के प्रशासक के सतत् सम्पर्क में रहकर विभिन्न शासकीय योजनान्तर्गत शासन से प्राप्त होने वाली राशियों का डिपाजिट अपनी जिला बैंक को दिलाने की दिशा में प्रयास करते रहें। इसके लिये यदि कहीं शासन स्तर पर मदद की आवश्यकता हो तो अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक के माध्यम से अवगत करायें, ताकि यथासंभव आवश्यक सहयोग प्रदान किया जा सके।

उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि गबन-धोखाधड़ी करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करते हुये कठोर प्रशासनिक दण्ड देने में कोई ढील ना दी जाये, ताकि आपकी बैंक/संस्था बेहतर व सुचारू रूप से कार्य करते हुये निर्धारित लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में सफल हो और प्रदेश का सहकारी आन्दोलन ''सहकार से समृद्धि'' की दिशा में प्रगति-पथ पर अग्रसर हो।

बैठक में अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक मनोज गुप्ता ने निर्देश दिये कि आपको पैक्स लेवल पर नये सदस्यों की पहचान करना है। इसके लिये अपेक्स बैंक स्तर से एक निर्धारित प्रारूप आपको भेजा है, जिसमें दिनांक 14 अप्रैल, 26 से 15 मई, 26 तक अभियान चलाकर उक्त प्रारूप में सम्पूर्ण विवरण भरकर शेयर केपीटल के लिये नये सदस्य से प्रति सदस्य रू.600/-एकत्रित करें, उस राशि की प्राप्ति की रसीद भी सदस्य को तुरन्त प्रदान करें एवं यथासमय आनलाइन इसकी प्रविष्टि भी दर्ज करें।

गबन और धोखाधड़ी से बचने बताए उपाय

गुप्ता ने यह भी निर्देश दिये कि आपकी बैंक अन्तर्गत गबन एवं धोखाधडी करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों की सम्पत्ति अटैच करने हेतु धारा 64 के अन्तर्गत अतिशीघ्र अपने जिले के उपायुक्त, सहकारी संस्थायें के न्यायालय में प्रकरण दर्ज करायें, जिससे संबंधित व्यक्ति से गबन-धोखाधड़ी की राशि की वसूली करना संभव हो सके ।बैठक में प्रभारी आयुक्त सहकारिता सुशीला दाहिमा, संयुक्त आयुक्त अम्बरीष वैद्य, के.के.द्विवेदी, डी पी सिंह के साथ सहकारिता विभाग, अपेक्स बैंक, शीर्ष सहकारी संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रदेश के 38 जिला बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उपस्थित रहे ।

श्रम की गरिमा का सवाल

सदियों की लाचारी और समाज की संवेदनहीनता के चलते हाथ से सीवर की सफाई की अमानवीय प्रथा बदस्तूर जारी है। जारी ही नहीं है बल्कि मजबूर सफाई कर्मियों की मौत का सबब भी बनी हुई है। निश्चय ही यह घिनौनी प्रथा किसी भी सभ्य समाज के लिये एक कलंक के समान ही है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि हाथ से सीवर लाइन साफ करने की प्रथा मजबूर लोगों की लगातार जान ले रही है। सरकारी आंकड़े इस समस्या के भयावह पक्ष को ही उजागर करते हैं। साल 2017 से अब तक देश में सीवर और सेप्टिक टैंक साफ करते हुए 620 से अधिक सफाईकर्मियों की मौत हो चुकी है। कहना कठिन है कि ये आंकड़े वास्तविक हैं और सभी मौतों को देश में रिपोर्ट किया जा रहा है। ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों में ठेकेदार दिहाड़ीदार सफाई कर्मियों की मौत को रफा-दफा करने का प्रयास करते हैं। कुछ चतुर-चालाक लोग परिजनों की मजबूरी को भांपते हुए छोटी-मोटी रकम देकर मामले पर पर्दा डाल देते हैं। ऐसे मामले शायद ही सामने आते हों कि सरकार के सख्त निर्देशों के बावजूद सफाईकर्मियों से सीवर व सेप्टिक टैंक की सफाई करवाने वाले ठेकेदार व स्थानीय निकाय के अधिकारियों को दंडित किया गया हो। क्या किसी लोकतांत्रिक समाज में किसी मजबूर सफाईकर्मी के जीवन का कोई मूल्य नहीं है? विडंबना यह भी है कि जहां करीब 539 परिवारों को पूरा मुआवजा मिला है, वहीं करीब 52 परिवारों को कोई पैसा नहीं मिला। निर्विवाद रूप से किसी मृत सफाई कर्मी के परिजनों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता कोई दान नहीं है, बल्कि समाज का एक कानूनी और नैतिक दायित्व भी है। जब इस जरूरी सहायता में कोई कमी रह जाती है तो हमारी व्यवस्थागत उदासीनता ही उजागर होती है।

निस्संदेह, यह कष्टकारी स्थिति साल 2047 में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प पर सवालिया निशान लगाती है। वहीं सरकारी दावा है कि मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार निषेध और उनके पुनर्वास अधिनियम, 2013 में किए गए एक सर्वेक्षण में देशभर के किसी भी जिले में हाथ से मैला साफ करने वाले सफाईकर्मी नहीं पाए गए हैं। सवाल ये है कि जब हाथ से सफाई करने वाले सफाई कर्मचारी देश में नहीं हैं तो सीवर व सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस के चपेट में आकर लोगों के मरने की खबरें कैसे आ रही हैं? केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ने पिछले दिनों स्वीकार किया था कि मशीनीकरण के कारण दक्षता या सफाई व्यवस्था में सुधार के जरूरी संकेतक अभी तक पहचान में नहीं आए हैं। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग को पिछले वर्ष वेतन का भुगतान न होने, सुरक्षा उपकरणों की कमी और जाति आधारित भेदभाव को लेकर करीब 842 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। जो इस बात का प्रमाण हैं कि समस्या की जड़ें बहुत गहरे रूप में विद्यमान हैं। श्रम की गरिमा के सवाल का जबाव महज एक नारे से हासिल नहीं किया जा सकता। इसे एक जमीनी हकीकत बनाना होगा।

व्यवस्था की कमजोरी और उच्च शिक्षा अनुसंधान के क्षेत्र में बढ़ती चुनौतियां

गिरीश्वर मिश्र
महात्मा गांधी हिंदी विवि के पूर्व कुलपति

आज विकसित और प्रगतिशील देशों में शोध पर बड़ा बल दिया जाता है। वहाँ शिक्षा और शोध पर काफ़ी खर्च होता है और शोध गुणवत्ता की कसौटी पर खरा उतरता है। ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में उन देशों की वैश्विक पहचान है। पड़ोसी देश चीन की शोध में प्रगति आशातीत रूप से उल्लेखनीय है जहाँ आज अनेक विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय हैं। भारतीय संदर्भ में शोध की स्थिति आज दयनीय हो रही है हालांकि यहाँ तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय तब थे जब अन्यत्र इसकी कल्पना भी नहीं थी। आज हम शिक्षा और शोध में पिछड़ गए हैं। न बजट में प्रावधान है और न शिक्षा संचालन व्यवस्था ही संतोषजनक है।

शिक्षा में हमने इतने तरह के स्तरीकरण कर रखे हैं कि भारतीय शिक्षा की गुणवत्ता का आकलन कठिन है। आज कई तरह के निजी, केंद्रीय सरकार द्वारा संचालित, राज्य शासन द्वारा संचालित, अर्ध सरकारी, डीम्ड आदि अनेक किस्म के एक हज़ार से अधिक विश्वविद्यालय, उच्च शिक्षा के अनेक संस्थान और हजारों महाविद्यालयों का विशाल संजाल तो खड़ा है परंतु अध्यापकों और शिक्षा के लिए जरूरी संसाधनों का अधिकांश शिक्षा केंद्रों पर घोर अभाव है। सरकारी संस्थाओं की स्थिति यदि व्यवस्थागत पेचीदगी का शिकार होकर असंतोषजनक है तो निरंकुश निजी शिक्षा संस्थान व्यापार के तर्ज पर भारी शुल्क उगाही कर मुनाफ़ा कमा रहे हैं।

शोध की दृष्टि से विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विषय कई अर्थों में सार्वभौमिक होते हैं। उनके सिद्धांत बहुत हद तक ऐसी सामग्री से जुड़े होते हैं जो स्थिर होती हैं और उनको लेकर सामान्यीकरण की अधिक संभावना होती है। उनका ज्ञान बहुत हद तक संचयी प्रकृति का भी होता है। ज्ञान पाने वाला और ज्ञान की वस्तु में स्पष्ट भेद होता है- वैज्ञानिक चेतन प्राणी है और पदार्थों की दुनिया उससे भिन्न होती है। प्राकृतिक विज्ञानों के ज्ञान को पृथ्वी पर हर कहीं एक ही कसौटी पर मापा, जांचा और परखा जा सकता है (अन्तरिक्ष और दूसरे ग्रहों की बात जरूर भिन्न है)। दूसरी तरफ़ मानविकी और समाज विज्ञान का स्वभाव भिन्न है। इनके विषय समाज, संस्कृति, परंपरा, आदर्श और मूल्य जैसे मानवीय सरोकारों से घनिष्ठ रूप से जुड़े होते हैं और उनमें अध्येता और विषयवस्तु दोनों मनुष्य होते हैं।

पश्चिम में समाज विज्ञानों के पुरोधाओं ने प्राकृतिक विज्ञानों के तर्ज पर विज्ञान की ही विधि को अपने विषय में लागू किया। विज्ञान कहलाने के लोभ में मानव व्यवहार और मानव समाज को 'वस्तु' मान कर अध्ययन शुरू हुआ। यद्यपि सामाजिक विज्ञान परिस्थिति सापेक्ष्य ज्ञान ही दे पाते हैं और अध्ययन विषय भी देश काल के साथ बदलता रहता है। इसलिए अब गुणात्मक, आख्यानपरक और निर्वाचन की पद्धतियों की ओर झुकाव बढ़ रहा है। फिर भी व्यापकि स्वीकृति इंद्रियानुभविक विधि, मापन और सांख्यिकी के विश्लेषण की है। इनकी सहायता से एक सुगम परिपाटी चल पड़ी। अब विधि की जरूरतों को पूरा कर पीएचडी की उपाधि त्वरित गति से अर्जित होने लगी। शोध सिर्फ़ शोध के लिए किया जाने लगा न कि ज्ञान वृद्धि या किसी समस्या के समाधान के लिए। मानविकी में शोध अधिकाधिक वर्णनात्मक होते गए और उसे भी कुछ ढर्रों पर चला दिया गया। शोध की मौलिकता, देशज ज्ञान से रिश्ता, सांस्कृतिक संदर्भ से जुड़ाव और उपयोगिता के सरोकार लगातार उपेक्षित होते गए।

भारत की देशज ज्ञान परंपरा विशाल है और उसमें शोध और अनुसंधान की व्यवस्था है। न्याय-शास्त्र 'प्रमाण' यानी अध्ययन विधि की ही चिंता करता है। हमारे विश्वविद्यालयों में शोध का आरम्भ औपनिवेशिक भारत में अंग्रेज़ों द्वारा किया ग़या। यूरोप और अमेरिका के सिद्धांतों, विचारों और विधियों का प्रभुत्व ऐसा रहा कि भारतीय विश्वविद्यालयों में समाज विज्ञान के विभिन्न विषयों में विदेशी ज्ञान का वर्चस्व हो गया। आज भी अधिकांश विषयों की पाठ्य पुस्तकें और ज्ञान की सामग्री उसी तरह की है। भारतीय समाज उतना ही प्रासंगिक होता है जितना आंकड़ों को पाने के लिए जरूरी है। ऐसा ज्ञान न पश्चिमी देशों के काम का होता है न अपने देश के। ऐसे में दुहराव तथा पिश्टपेषण का बोलबाला हो रहा है। इस बात के पर्याप्त संकेत हैं कि भारतीय शोध कार्यों की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय स्तर की तुलना में कमतर है। इन शोध कार्यों की उपयोगिता, प्रमाणिकता और ज्ञान में योगदान बड़ा ही सीमित है। इसलिए प्राध्यापक वर्ग, नीतिनिर्धारकों और शोध के उपभोक्ताओं की चिंता जायज़ है। जनसंख्या बढ़ने के साथ शिक्षा संस्थानों की संख्या तो जरूर बढ़ी है परंतु उनकी गुणवत्ता में गिरावट चिंता का कारण है। संस्थानों की कार्य-संस्कृति पर राजनीति हावी है। शिक्षा केंद्र में अकादमिक कार्य, वैचारिक प्रयास और सृजनशीलता की जगह उत्सवप्रियता का अतिरेक है जिससे क्षणिक उत्तेजना और संतुष्टि तो मिलती है परंतु अध्ययन-अध्यापन हाशिये पर चला जा रहा है। शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता और विचार-विमर्श के वातावरण से विवेकवान समालोचक की दृष्टि लुप्त हो रही है। वार्ता, वाद-विवाद और शास्त्रार्थ की जगह अनुकीर्तन से ज्ञान में वृद्धि की आशा व्यर्थ है। तमाम दबावों के बीच हमारे विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों से निकलने वाले शोध की मान्यताओं और प्रतिष्ठा के साथ पूरी तरह न्याय नहीं कर पा रहे हैं। शोधार्थियों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है पर उसी के साथ शोध से जुड़े नैतिक प्रश्न उलझते जा रहे हैं। साहित्य चोरी (प्लैग्रिज्म) की घटनाएँ बढ़ रही हैं, शोध निदेशकों द्वारा शोषण की घटनाएँ भी हो रही हैं। व्यवस्था की कमजोरी के चलते शोध कार्य में पारदर्शिता में घट रही है। शोध कार्य एक कृत्य (रिचुअल) का रूप लेता जा रहा है जिसमें कोल्हू के बैल की तरह बँधी-बंधाई लीक पर चलना ही शोध की पद्धति बनती जा रही है। जिज्ञासा, प्रश्नाकुलता और कल्पनाशीलता पिछड़ रही है। इसका कारण संसाधनों और सुविधाओं का अकाल तो है पर उसका समुचित वितरण न होना भी क्षोभ का कारण बन रहा है।

यह भी एक बिडंबना है कि जिस भारत में ज्ञान को पवित्र और क्लेशों से मुक्ति दिलाने वाला कहा गया वहाँ आईआईटी जैसे उच्च संस्थानों में मानसिक रुग्णता और आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं। अनुशासित जिज्ञासा से शोध का आरंभ होता है और ज्ञान के संधान के साथ यह यात्रा आगे बढ़ती है। कहा गया है- विद्या से विनय और विनय से पात्रता, फिर पात्रता से समृद्धि और तब सुख मिलता है। आज इस सूत्र को फिर से दुहराने और अपनाने की जरूरत है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

तनावग्रस्त विश्व मानवता को भारत का उपहार है अनुशासन युक्त जीवन और योग

हृदयनारायण दीक्षित
उत्तर प्रदेश विवि के पूर्व अध्यक्ष

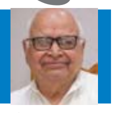

अनुशासनविहीन जीवन में स्वस्ति और लोकमंगल नहीं होते। प्रकृति स्वयं अनुशासन में गतिशील है। मनुष्य के लिए इसी अनुशासन का पालन उपयोगी दिनचर्या है। इसका सम्बंध स्वस्थ मन से है। स्वस्थ बुद्धि से है और निर्मल आत्मा से भी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मस्त व्यक्तित्व के धनी हैं। उच्च कोटि के संसद विज्ञ, 5 बार के सांसद व दूसरी बार मुख्यमंत्री हैं। व्यवहार में अनुशासित अखिल भारतीय स्तर पर चर्चित जनप्रिय राजनेता हैं। योगी हैं। सो, अनुशासन में रहते हैं। और अपने परिचितों से भी अनुशासित रहने की अपेक्षा करते हैं। वे हमारे प्रति शुभेक्षु हैं। हमलोग भिन्न-भिन्न विषयों पर चर्चा करते रहे हैं। वे योग विज्ञानी भी हैं। योग का हमारा ज्ञान किताबी है, लेकिन उनका ज्ञान अनुभव अनुभूति और व्यवहारिक जीवन से भरा पूरा है।

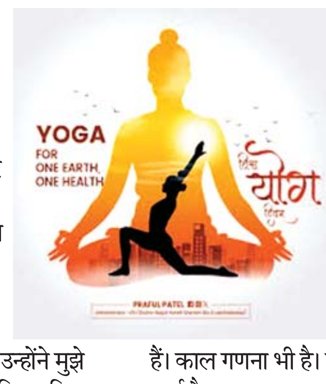

चार दिन पहले आकाशवाणी का 89वाँ स्थापना वर्ष मनाया गया था। उसमें पद्म पुरस्कार प्राप्त लोगों को सम्मानित किया गया था। आकाशवाणी के वरिष्ठ महानुभाव भी सम्मानित किए गए थे। पद्मश्री में मेरा भी नाम था। योगी जी ने उस कार्यक्रम में मेरी दिनचर्या पर चर्चा की। उन्होंने कुछ पुरानी बातें खोलीं और याद कराया कि हमारी दिनचर्या अनुशासित नहीं थी। उन्होंने मुझे याद कराया की देर रात तक जागना स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं होता। मैंने उनसे बताया कि दिनभर राजनीतिक कारणों से व्यस्तता रहती है और रात में लिखने-पढ़ने का समय मिलता है। उन्होंने हंसते हुए कहा था कि यही दिनचर्या उलट दी जाए और सुबह जल्दी उठा जाए और रात्रि में जल्दी सोया जाए। इन्हीं पुरानी बातों को उन्होंने आकाशवाणी के कार्यक्रम में फिर से दोहराया।

दिनचर्या व्यक्तित्व का आधार है। दिनचर्या का अनुशासन प्रायः हमारा निर्णय होता है। इसमें थोड़ी-सी चूक भी क्षतिकारी होती है। दिनचर्या पर देशकाल का भी प्रभाव पड़ता है। ठंडी जलवायु वाले देशों में शरीर के ताप को विशेष स्तर पर बनाए रखने की आवश्यकता होती है। ऐसे देशों में अधिक ऊष्मा देने वाली दिनचर्या चलती है। आदर्श दिनचर्या पर प्राचीन भारत में अच्छा और परिश्रम हुआ है। अच्छी दिनचर्या में अच्छी नींद, अच्छा जागरण और अच्छे आहार की आवश्यकता होती है। उसे कालखंड में अन्न की विशेष महत्ता पर जोर दिया गया है। अन्य भौतिक पदार्थ है। प्राचीन अनुभूति में वह दिव्य है। तैत्तरीय उपनिषद के एक सुंदर मंत्र में कहते हैं, 'यह व्रत संकल्प है कि अन्न की निंदा न करें। अन्न ही प्राण है। प्राण ही अन्न है। शरीर भी अन्न है। शरीर और प्राण का अंतरसंबंध है। अन्न ही अन्न में प्रतिष्ठित है। जो यह जान लेता है उसकी दिनचर्या आदर्श हो जाती है। 'उपनिषद में कहते हैं कि, 'आहार का अर्थ अन्न है।' आहार साधारण खाद्य वस्तु नहीं है। आहार का सम्बंध अनुशासित दिनचर्या से भी है। व्यापक अर्थों में अनुशासित दिनचर्या के पांच द्वार हैं। देखना भी एक आहार है। देखे गए दृश्य चित्र को प्रसन्न या अप्रसन्न करते हैं। सुंदर दर्शन में मन प्रसन्न होता है। अभद्र दर्शन में मन अप्रसन्न होता है। इसलिए देखने में भी संयम की आवश्यकता है। पढ़ना भी एक आहार है। अनुशासित दिनचर्या वाला ज्ञानवर्धक अध्ययन मन स्वस्थ रखता है। निराश करने वाली सूचनाएं कष्ट पहुंचाती हैं। इस समय आधी दुनिया युद्ध में है। समाचार माध्यमों में धुआं ही धुआं है। बारूदी वातावरण है। यह निराश करता है। गंध भी आहार है। किसी बाग या उपवन में गंधमादन हवा आती है। चित्त गंधमादन हो जाता है। ज्ञानवर्धन सुना या रुचिपूर्ण सुनना, गीत सुनना काव्य सुनना, नदी के पास खड़े होकर नाद सुनना आनंददायक है। दुनिया का सारा ज्ञान देखने और सुनने से प्रकट हुआ है। वैदिक साहित्य सुना हुआ है। स्पर्श भी आहार है। किसी प्रियजन का स्पर्श आनंददाई है। दृश्य, श्रव्य, नाक, स्पर्श और रसना 5 द्वार हैं। इनसे हम कुछ न कुछ लिया करते हैं। जीवनचर्या के अनुशासन में इन पांचों द्वारों की भूमिका है।

भारतीय ज्ञान परंपरा में 10 दिशाएं हैं। काल गणना भी है। वासना भी जन्म और जीवन के साथ आई है। वासना का अनुशासन प्रार्थना है। जीवन ऊर्जा का अधोगामी प्रवाह वासना है। वासना भी एक दिशा है लेकिन इसका कार्यव्यवहार दुखदायी है। लोकमंगल के विपरीत भी है। जीवन ऊर्जा की दूसरी दिशा प्रार्थना है। वासना और प्रार्थना दोनों में ही हमारी चेतन ऊर्जा ही मुख्य कारक है। दोनों में स्वयं के प्रति आस्तिकता है। लेकिन प्रार्थना में प्रार्थना के प्रति गजब का विश्वास है। ऋग्वेद में प्रार्थना है-हे देवो ! हमारा मन शुभ करो। यजुर्वेद में प्रार्थना है-तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु-हमारे मन को कल्याणकारी संकल्प से भरो। विरोधाभास ध्यान देने योग्य है। मन हमारा है, इसे शुभ या शिव बनाने की प्रार्थना हम दूसरे से क्यों करते हैं? प्रार्थना का अन्तर्भूत तत्व ऐसा नहीं है। कोई देवता प्रार्थना सुनकर हमारा मन ठीक करे या न करे लेकिन चित्त से उगी प्रार्थना हमारे चित्त के अणु-परमाणु को शिव तत्त्व से भर देती है।

पतंजलि ने मनुष्य का रहस्यपूर्ण विवेचन किया है। शरीर, मन, बुद्धि और आत्म से स्वस्थ व्यक्ति हिंसक नहीं हो सकता। आनंदित व्यक्ति सृजन करता है और तनावग्रस्त व्यक्ति ध्वंस। योग तनावग्रस्त विश्वमानवता को भारत का प्रशांत उपहार है। लेकिन योग का विज्ञान पढ़ने से ही समझ में नहीं आता। यह पठनीय कम करणीय ज्यादा है। लेकिन हमारी लत है कि पठन पाठन ही ज्यादा है, करणीय कम।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

किरण चाहे सूर्य की हो या
फिर आशा की, जीवन के सभी
अंधकार मिटा देती है।
–अज्ञात

निशाना

कैसी चालें चलते हो..!

बसंत शर्मा

कर दे यह अहसान ज़रा सा,
प्रेम का कर दे दान ज़रा सा।
मैं तेरे दिल में रहता हूँ,
कर भी दे एलान ज़रा सा।
प्यार हुआ ये पता न उसको,
मैं भी था अनजान ज़रा सा।
तुझसे मिलने आऊँगा मैं,
थम जाए तूफ़ान ज़रा सा।
कैसी चालें चलते हो तुम,
हमको भी है ज्ञान ज़रा सा।
अस्तीनों में साँप पल गए,
हुआ न हमको भान ज़रा सा।
करता कितनी रोका-टोकी,
है तो वो दरबान ज़रा सा।
बुधिया कैसे कर्ज चुकाए,
हुआ खेत में धान ज़रा सा।
आँख दिखाता है भारत को,
पिद्दी पाकिस्तान ज़रा सा।
अपनों को तो खूब रेवड़ी,
हमको है अनुदान ज़रा सा।
तेरी कीमत पता चलेगी,
हो जा अंतर्धान ज़रा सा।
चुकता कर देता वो शायद,
होता अगर लगान ज़रा सा।
बहक न पाया सँभल गया वो,
पकड़ा जिसका कान ज़रा सा।
लाइन लगी हुई मंचों पर,
पाने को सम्मान ज़रा सा।

न्यूट्रीशन

वेजिटेरियन लोगों के लिए उपयोगी है सत्तू, प्लांट बेस्ड प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स

शरीर पर मांसपेशी बढ़ाने के लिए प्रोटीन की जरूरत होती है। लेकिन लोगों को लगता है देसी और शाकाहारी चीजों से इसे प्राप्त नहीं किया जा सकता है। सत्तू एक पारंपरिक खाद्य पदार्थ है, जिसे आप शरबत, लड्डू या पराठे के रूप में खा सकते हैं। यह प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन देकर शरीर को मजबूत बनाने में मदद करता है। आज के जमाने में विदेशी सुपरफूड और प्रोटीन सप्लीमेंट्स का बोलबाला है। लोग एवाकाडो, क्विनोआ जैसे विदेशी फूड्स के पीछे भाग रहे हैं। लेकिन भारतीय डॉक्टर आज भी कई देसी खाद्य पदार्थों को रिकमंड करते हैं जिसमें सत्तू भी शामिल है।

सत्तू में मौजूद न्यूट्रिशन: सत्तू काफी पौष्टिक फूड है। इसके अंदर काफी अधिक मात्रा में प्लांट बेस्ड प्रोटीन होता है, जो शाकाहारी लोगों के मसल्स गेन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसका हाई फाइबर पाचन को सुधारता है और पेट को देर तक भरा रखता है। जिससे आपकी भूख शांत रहती है। इसके अंदर आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे जरूरी मिनरल्स होते हैं और कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट्स भी मौजूद होते हैं, जो लंबे समय तक एनर्जी देने में मदद करते हैं। इतने सारे पोषण की मौजूदगी और संतुलन शरीर के वजन को मैनेज करने में मदद करता है। इससे आपका एनर्जी और ब्लड शुगर का लेवल मेंटेन रहता है। रिफाइंड फ्लोर के मुकाबले सत्तू आपके मेटाबॉलिज्म के लिए ज्यादा अच्छा है और ब्लड ग्लूकोज में अचानक स्पाइक भी नहीं लाता।

डाइट में सत्तू को शामिल करने के 5 तरीके: सत्तू को कई तरीकों से डाइट में शामिल किया जा सकता है, इसलिए यह मॉडर्न और ट्रेडिशनल डाइट में आसानी से मिल जाता है। नमकीन सत्तू ड्रिंक के लिए 2-3 चम्मच सत्तू को ठंडे पानी के साथ मिलाएं। इसके अंदर भुना जीरा पाउडर, काला नमक, नींबू का रस और ताजा धनिया डालें। यह ड्रिंक शरीर को हाइड्रेट करने और खोए हुए साल्ट की रिकवरी करने में मदद करेगी। सत्तू की मीठी ड्रिंक के लिए इसे पानी या दूध में मिलाएं। फिर इसके अंदर गुड़ और इलायची पाउडर डालकर पीएं। यह एक नेचुरल एनर्जी बूस्ट देगा।

टेक्नो अपडेट

कंप्यूटर चलाने के लिए नहीं होगी माउस और की बोर्ड की जरूरत, स्मार्टवॉच से होगा काम

कॉर्नेल यूनिवर्सिटी और KAIST के रिसर्चर ने एक ऐसा सिस्टम बनाया है, जो AI पावर्ड सोनार का इस्तेमाल करके आम स्मार्टवॉच को हैंड-ट्रैकिंग डिवाइस में बदल देता है। इस टेक्नोलॉजी का नाम वाचहेंड है। इस टेक्नलॉजी के जरिए रिसर्चर का उद्देश्य इंसान के हाथ को ही एक ऐसा इनपुट डिवाइस या जरिया बनाना है, जिससे कंप्यूटर और अन्य डिजिटल मशीनों को चला सके, वो भी बिना किसी कीबोर्ड, माउस और टचस्क्रीन के। खासबात तो यह है कि इसके लिए स्मार्टवॉच में कोई हार्डवेयर लगाने की जरूरत नहीं होगी। आमतौर पर स्मार्टवॉच में पहले से लगे स्पीकर और माइक्रोफोन का इस्तेमाल होता है। इनके जरिए ही इस टेक्नोलॉजी की मदद से उंगलियों और कलाई की हरकतों को रियल टाइम में ट्रैक किया जा सकता है।

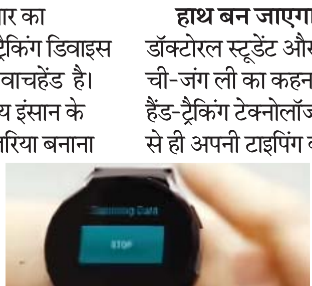

अतिरिक्त हार्डवेयर की जरूरत नहीं: कैमरे या बड़े बाहरी सेंसर पर निर्भर होने वाले मौजूदा वियरेबल हैंड ट्रैकिंग सिस्टम से अलग WatchHand को किसी अतिरिक्त हार्डवेयर की जरूरत नहीं होती। इस कारण यह रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए ज्यादा प्रैक्टिकल हो जाता है और लाखों मौजूदा डिवाइस पर इस्तेमाल किया जा सकता है। रिसर्चर का कहना है कि इसका मकसद इंसान के हाथ को ही कंप्यूटर और दूसरे डिजिटल सिस्टम के साथ इंटरैक्ट करने के लिए एक जरिया या यूं कहें कि इनपुट डिवाइस बनाना है ताकि कीबोर्ड, माउस और टचस्क्रीन पर निर्भरता कम हो सके। आसान भाषा में कहें तो इसके जरिए इंसान के हाथों की हरकतें से ही सीधा कंप्यूटर आदि को चला पाएंगे।

हाथ बन जाएगा इनपुट डिवाइस: कॉर्नेल में डॉक्टोरल स्टूडेंट और इस स्टडी के सह-मुख्य लेखक ची-जंग ली का कहना है कि भविष्य में इस तरह की हैंड-ट्रैकिंग टेक्नोलॉजी से इंसान सिर्फ अपनी स्मार्टवॉच से ही अपनी टाइपिंग को ट्रैक कर पाएंगे। हमारे हाथ कंप्यूटर के साथ एक इनपुट डिवाइस के तौर पर काम कर सकते हैं। इस सिस्टम को चार अलग-अलग स्टडी में 40 लोगों पर टेस्ट किया गया। इसमें लगभग 36 घंटे का जेस्चर डेटा इकट्ठा किया गया। इसका मूल्यांकन कई स्मार्टवॉच मॉडल, हाथ की अलग-अलग पोजिशन और शोर वाले माहौल में किया गया। नतीजों से पता चला कि WatchHand अलग-अलग स्थितियों में उंगलियों की हरकतों और कलाई के घुमाव को बहुत सही तरीके से ट्रैक कर सकता है। यह टेक्नोलॉजी कई तरह के एप्लीकेशन को मुमकिन बना सकती है, जिसमें कंप्यूटर के लिए जेस्चर आधारित कंट्रोल, ऑगमेंटेड व वर्चुअल रियलिटी सिस्टम और कम गतिशीलता या बोलने में दिक्कत वाले यूजर्स के लिए सहायक टूल शामिल हैं।

सिर्फ एंड्रॉयड स्मार्टवॉच पर करेगी काम: हालांकि, इस टेक्नोलॉजी की अभी भी कुछ सीमाएं हैं। अभी यह सिर्फ एंड्रॉयड आधारित स्मार्टवॉच पर काम करता है और जब यूजर चल रहा होता है तो इसकी एक्यूरेसी बनाए रखने में दिक्कत होती है।

उम्मीद की किरण

चार बार गर्भपात और 86 लाख रुपये खर्च कर 47 की उम्र में बनी मां, घर की रौनक बनकर आया बच्चा

मां बनना हर महिला का सपना होता है, लेकिन कभी-कभी यह सफर इतना दर्दनाक हो जाता है कि इंसान पूरी तरह टूट जाता है। ब्रिटेन के एसेक्स की रहने वाली 47 वर्षीय जेसिका पीकॉक की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। जेसिका ने अपनी गोद भरने के लिए न केवल अपनी पूरी जमा-पूंजी दांव पर लगा दी, बल्कि उस शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना को भी झेला, जो किसी को भी हार मानने पर मजबूर कर दे। 4 बार गर्भपात, 7 बार आईवीएफ के असफल प्रयास और करीब 86 लाख रुपये खर्च करने के बाद, आज जेसिका की गोद में उनका चमत्कारी बच्चा खेल रहा है। यह कहानी उन लाखों महिलाओं के लिए एक उम्मीद की किरण है जो उम्र और मेडिकल दिक्कतों की वजह से हार मान चुकी हैं।

जेसिका और उनके पति इयान (49) ने साल 2017 में बच्चा पैदा करने की कोशिश शुरू की थी। हालांकि, डॉक्टरों ने उन्हें बताया कि जेसिका के एग रिजर्व बहुत कम हैं, इसलिए वे प्राकृतिक रूप से गर्भधारण नहीं कर पाएंगी। चूंकि इयान के पहले से ही दो बच्चे थे, इसलिए इस जोड़े को सरकारी मदद से IVF कराने की अनुमति नहीं मिली। इसके बाद शुरू हुआ निजी क्लीनिकों के चक्कर काटने और पैसे पानी की तरह बहाने का अंतहीन सिलसिला। जेसिका ने बताया कि जब पहली बार IVF के बाद वह गर्भवती हुईं, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था. लेकिन 10वें हफ्ते में उनका गर्भपात हो गया। जेसिका ने भावुक होकर बताया, 'मेरे सपने चकनाचूर हो गए थे, मैं समझ नहीं पा रही थी कि आखिर मेरे साथ ही ऐसा क्यों हो रहा है। उन्होंने अपना फ्लैट बेच दिया और अपनी सारी बचत इस उम्मीद में लगा दी कि शायद अगली बार सफलता मिल जाए।

उन्होंने ब्रिटेन से लेकर स्पेन तक के क्लीनिकों के चक्कर काटे, जहां 51 साल की उम्र तक IVF की अनुमति है। सफर के दौरान जेसिका को एंडोमेट्रियोसिस और फैलोपियन ट्यूब में तरल पदार्थ जमा होने जैसी बीमारियों का भी पता चला। कुल 7 बार IVF कराने के बाद जेसिका मानसिक रूप से थक चुकी थीं। उन्होंने इयान से कह दिया था कि अब वे और ज्यादा दर्द नहीं सह सकतीं। लेकिन दिल के किसी कोने में मां बनने की चाहत अभी भी जिंदा थी। अपनी आखिरी कोशिश के तौर पर वे ब्रिटेन के एक दूसरे क्लीनिक गईं, जहां डॉक्टरों ने एक ऐसी समस्या पकड़ी जो अब तक छिपी हुई थी। असल में जेसिका का अपना शरीर ही भ्रूण को एक बाहरी दुश्मन समझकर उस पर हमला कर रहा था। सही दवा और नई तकनीक के साथ जेसिका एक बार फिर गर्भवती हुईं।

इस बार उन्होंने अपनी सेहत पर खास ध्यान दिया। एक फर्टिलिटी मेंटर के तौर पर उन्होंने पोषण, योग और मानसिक शांति का सहारा लिया। आखिरकार, ओलिवर का जन्म हुआ। हालांकि, वह समय से 6 हफ्ते पहले सिजेरियन सेक्शन के जरिए पैदा हुआ, लेकिन वह पूरी तरह स्वस्थ था। जेसिका कहती हैं, 'ओलिवर मेरी दुनिया है। 40 के दशक में मां बनना मेरे लिए बहुत खास है। हमने अपनी जिंदगी जी ली है, घूमे-फिरे हैं और अब हमारे पास एक पूरा परिवार है।

होमस्टे में विदेशी पर्यटकों को लुभा रहा है ग्रामीण परिवेश

कटनी। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक पहल देखने को मिल रही है। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की महत्वाकांक्षी योजना के तहत जिले के खितौली और कोनिया गांव में विकसित होमस्टे विदेशी पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह के नेतृत्व में संचालित इस पहल के अंतर्गत गांवों में होमस्टे तैयार कर उन्हें आकर्षक बनाया गया है।

फ्रांस से आए चार पर्यटक ग्वेन्डोलिन डेलेपियरे, माएल एरिक कोकॉल्ट, आर्मेल यवोन मैरी जोसेफ लेटोर्ट और यवेस थिएरी फिलिप कोकॉल्ट भारत भ्रमण के दौरान कटनी और उमरिया जिले के गांवों में पहुंचे। खितौली, कोनिया, दमना और मरईकला गांव में ग्रामीणों ने उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया और होमस्टे में ठहराया। विदेशी मेहमानों ने होमस्टे में रहकर ग्रामीण परिवेश का अनुभव किया। उन्होंने देशी व्यंजनों का स्वाद लिया, पारंपरिक वेशभूषा पहनी, बैलगाड़ी की सवारी की और ग्रामीण जीवनशैली को करीब से समझा। साथ ही बांस शिल्प, मिट्टी शिल्प और मेहंदी कला जैसी स्थानीय हस्तकलाओं का भी आनंद उठाया। पर्यटकों ने आसपास के ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों का भी भ्रमण किया, जिसमें बांधवगढ़ किला, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, ताला म्यूजियम, कुठुलिया जोहिला फॉल और दशरथ संगम घाट प्रमुख रहे। इन स्थलों ने उन्हें क्षेत्र की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना: शादियों में पहले आओ पहले पाओ का नजारा

6 दिन पहले ही पूरा हुआ 200 शादियों का कोटा, अब निराशा होकर लौट रहे लोग

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री कन्यादान एवं निकाह योजना में अपने बच्चों का विवाह करवाने का इच्छुक परिजनों का गहरी निराशा का सामना करना पड़ रहा है। इस बार प्रशासन द्वारा जिले का एकमात्र आयोजन 19 अप्रैल को सिरोंज में ही किया जा रहा है। योजना के तहत आवेदन करने की आखरी तारीख जिला प्रशासन द्वारा 12 अप्रैल निर्धारित की गई थी। आवेदन सिरोंज जनपद पंचायत में ही जमा हो रहे है। जिले भर के लोग अपने बच्चों के विवाह से जुड़े दस्तावेज सत्यापित करवा कर सिरोंज जनपद में जमा करने आ रहे है। यहां आकर उन्हें पता चल रहा है कि आवेदन की प्रक्रिया बंद हो गई है। जब लोग इसकी वजह पूछ रहे है तो उन्हें बताया जा रहा है कि 19 अप्रैल को 200 विवाह करने की अनुमति शासन द्वारा दी गई है। सिरोंज जनपद पंचायत में 6 अप्रैल तक 200 आवेदन जमा हो गए है। यानि शासन द्वारा निर्धारित कोटा पूरा हो गया है। इस वजह से 6 दिन पहले ही आवेदन लेने की प्रक्रिया बंद कर दी गई है। कई लोगों को सिरोंज जनपद में आने के बाद कोटा पूरा होने की जानकारी लग रही है। यहां से जानकारी मिलने के बाद वे तमाम चिंताएं लेकर निराश होकर वापस अपने घर लौट रहे है।

अपनी भतीजी की शादी की चिंता में व्याकुल निरपत सिंह ने बताया कि अक्षय तृतीया के अबुझ मुहूर्त में भतीजी का विवाह तय हुआ था। कन्यादान योजना का बड़ा संबल है और इसी योजना के तहत विवाह की तैयारी में व्यस्त थे, लेकिन यहां आकर

मालूम पड़ा की हम आवेदन ही नहीं कर सकते। योजना का लाभ लेने के लिए अगले सम्मेलन का इंतजार करना पड़ेगा। अब समझ नहीं आ रहा की भतीजी का विवाह अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त में कैसे करेंगे। उन्होंने बताया कि हमें पूरी उम्मीद थी कि सरकार की महत्वपूर्ण योजना का लाभ मिल जाएगा। इसके पहले भी जब शिवराज मामा मुख्यमंत्री थे तब एक ही सम्मेलन में हजारों शादियां हो चुकी हैं लेकिन अब न जाने ऐसा क्यों हो रहा है की 200 विवाह का कोटा तय कर दिया है। यह गलत है कम से कम अक्षय तृतीया पर तो इस तरह की बंदिश नहीं होना चाहिए। इस बंदिश के कारण ना जा रहे हैं कितने गरीबों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

सिरोंज में हो चुकी है 2000 से शादी से ज्यादा शादियां

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सिरोंज में शादियों का रिकॉर्ड कायम हो चुका है। पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा के कार्यकाल में सिरोंज में एक ही मंडप में 2000 से ज्यादा विवाह भी संपन्न हो चुके हैं। उस समय आयोजन पूरी भव्यता के साथ संपन्न होते थे और प्रशासन द्वारा बाकायदा दूल्हों की बारात भी निकाली जाती थी। उनके बाद भी बीते वर्षों में एक ही सम्मेलन में 200 से ज्यादा विवाह संपन्न हो चुके हैं लेकिन इस बार शासन की बंदिश ऐसी लगी है कि जिले भर के सिर्फ 200 युगलों के विवाह ही संपन्न हो पा रहे हैं। अब आवेदन नहीं जमा होंगे। जनपद पंचायत सामाजिक न्याय अधिकारी आदर्श विश्वकर्मा ने बताया कि शासन का निर्णय है कि एक सम्मेलन में 200 से ज्यादा विवाह नहीं होंगे। निर्धारित कोटा 6 अप्रैल को ही पूरा हो गया है। इस कारण अब कोई आवेदन नहीं लिया जाएगा। योजना का लाभ लेने के इच्छुक लोग अगले सम्मेलन का इंतजार करें।

ऑनलाइन फ्रॉड: 4.26 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोपी मुंबई से गिरफ्तार

कटनी। दोपहर मेट्रो

साइबर ठगी के बड़े मामले में बिलहरी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। देशभर में लोगों ने साथ होने वाली ऑनलाइन ठगी की को ठिकाने लगाने वाले धोखाधड़ी के आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार किया है। मामले में करीब 4.26 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है, जिससे जिले में हडकंप मच गया है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने बताया कि जिले में धोखाधड़ी के मामलों में कार्रवाई की जा रही है। थाना कुठला एवं बिलहरी चौकी पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई को अंजाम दिया।

बिलहरी चौकी प्रभारी सुयश पांडेय ने बताया कि मामले में रोशन नगर निवासी राजेंद्र विश्वकर्मा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आर्यवत शिक्षा समिति के खाते में डोनेशन दिलाने के नाम पर जीशान नामक व्यक्ति ने एक्सिस बैंक का खाता प्राप्त कर उसमें 4.26 करोड़ रुपए का फर्जी लेनदेन किया। शिकायत के आधार पर थाना कुठला में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। बता दें कि यह रकम लोगों के साथ ऑनलाइन ठगी की रकम को ठिकाने लगाते थे। इन खातों का उपयोग कर अपने खातों में ट्रांसफर कर लेते थे।

विवेचना के दौरान संबंधित बैंक खाते से जुड़े मोबाइल नंबर की जांच करते हुए पुलिस टीम मुंबई पहुंची और पूनम नगर, अंधेरी ईस्ट निवासी 25 वर्षीय अभिषेक नार्कर को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि उसे उसके साथी प्रशांत पद्मने और अब्दुल सत्तार द्वारा मोबाइल के माध्यम से साइबर फ्रॉड का काम करने के लिए लगाया गया था। इसके एवज में उसे मासिक भुगतान किया जाता था। हफ्ते में 15 हजार व एक माह में 60 हजार रुपए मिलते थे। मोबाइल में फारवर्डेड एप के माध्यम से खाते में साइबर फ्रॉड की रकम डाली जाती थी।

देशभर में दर्ज हैं कई मामले, मुख्य आरोपी फरार

जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी अब्दुल सत्तार और प्रशांत पद्मने के खिलाफ देशभर में करीब 54 धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं। दोनों वर्तमान में फरार हैं और उनके विदेश, विशेषकर दुबई में होने की जानकारी मिली है। इनके खिलाफ मुंबई पुलिस द्वारा रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया है। बता दें कि जिले में कई ऐसे मामले हैं, जिनकी पुलिस डिटेल खंगाल रही है। अबतक इस धोखाधड़ी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मो. जीशान, विकास तिवारी, चॉल्स रॉड्रिक को जेल भेज दिया गया है।

लोकेश बने अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के तहसील अध्यक्ष

गंजबासौदा। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा रायसेन में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश, जिला एवं तहसील स्तर के रिक्त पदों पर नियुक्ति पत्र जारी किए गए। इसी क्रम में नगर के वरिष्ठ समाजसेवी एवं पत्रकार लोकेश सक्सेना को गंजबासौदा तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश शासन के खेलकूद, कल्याण एवं सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग की मंशानुसार तथा प्रदेश अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव की सहमति से जिलाध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव द्वारा की गई। अपनी नियुक्ति पर लोकेश सक्सेना ने समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे समाज के हित में पूरी निष्ठा और समर्पण भाव से कार्य करेंगे। समाज के लोगों ने भी उनकी सक्रिय समाज सेवा, लगन और समर्पण को देखते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं।

शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

पालिटेक्निक महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न नामी कंपनियों में चयन प्राप्त कर संस्था को गौरवान्वित किया है। यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, समर्पण एवं कॉलेज द्वारा प्रदान किए गए गुणवत्तापूर्ण तकनीकी मार्गदर्शन का परिणाम है। कॉलेज की प्राचार्य भावना दांगी ने बताया कि कृष्णा मारुति लिमिटेड में चयनित विद्यार्थी में छोटू नायक इलेक्ट्रॉनिक्स, ऋतिक कुशवाह इलेक्ट्रॉनिक्स, सोनू नायक मैकेनिकल, पायल साहू कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग)एवं मोक्ष नारायण शाक्य सिविल ब्रांच की विद्यार्थी है। इसी तरह बानको प्रोडक्ट इंडिया लिमिटेड में चयनित विद्यार्थियों ने श्रवण कुमार एवं दीपक रघुवंशी शामिल है। इनके साथ ही डाइकिन एयर कंडीशनिंग भी कॉलेज के विद्यार्थी श्रवण कुमार एवं सोनू नायक शामिल है। कॉलेज की प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी रागिनी अरजरिया ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी। संस्था में भविष्य में भी इस प्रकार के प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित कर विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

मंदिर के सामने शराब दुकान के खिलाफ जनआक्रोश

धरना स्थल पर गूंजा हनुमान चालीसा पाठ

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शहर के स्टेशन क्षेत्र स्थित श्री राम जानकी मंदिर के सामने संचालित शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर चल रहे सार्वजनिक धरना-प्रदर्शन को सोमवार को नया आयाम मिला, जब हिंदू चेतना सेवा समिति मंडल गंजबासौदा के पदाधिकारी और सदस्य धरना स्थल पहुंचे और वहां सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ किया। इस धार्मिक आयोजन के माध्यम से समिति ने आंदोलन को अपना समर्थन देते हुए प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की। समिति अध्यक्ष राकेश सिंह रघुवंशी ने कहा कि मंदिर के ठीक सामने शराब दुकान संचालित होने से क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है। उन्होंने बताया कि कई बार नशे में धुत लोगों द्वारा विवाद, अभद्र व्यवहार और शांति भंग करने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे विशेषकर महिलाओं और बच्चों को असुरक्षा का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति धार्मिक स्थल की गरिमा के भी विपरीत है और श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत

करती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए शराब दुकान को तत्काल वहां से अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए। इस दौरान नगर पालिका के नेता प्रतिपक्ष जगदीश व्यास भी धरना स्थल पहुंचे और आंदोलन को समर्थन देते हुए कहा कि मंदिर के सामने शराब दुकान का संचालन पूरी तरह अनुचित है और इसे जल्द हटाया जाना चाहिए। धरने पर बैठे गोलू सेन ने हिंदू चेतना सेवा समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समिति के समर्थन से आंदोलन को मजबूती मिली है और उन्हें विश्वास है कि प्रशासन जल्द सकारात्मक निर्णय लेगा। धरना स्थल पर हनुमान चालीसा पाठ भक्ति और उत्साह के माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जसवंत सिंह राजपूत, ऋषिकांत माथुर, मोहित तिवारी, नंदकिशोर वर्मा, लखन गुर्जर, प्रशांत शर्मा, नीरज शर्मा, सुमित शर्मा, अखिलेश तिवारी, मनीष सेन, जगदीश कुशवाहा, धर्मेंद्र विश्वकर्मा, दीपक, भगवती शर्मा, प्रिंस जैन, गजराज राय, प्रेम नारायण सिंह, दीपक तिवारी, अभिषेक ठाकुर, रवि रघुवंशी, अरुण रघुवंशी, गुलशन सेन सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

केन्द्र समान न्यूनतम वेतन वृद्धि लागू ना होने से कच्चे श्रमिकों व श्रमिक संगठनों में नाराजगी

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिलों एवं ग्रामों के कोने-कोने में बीते पिछले वर्ष से यह मुद्दा तेजी से सुनाई में आ रहा था कि दैनिक वेतनभोगी, आउटसोर्स, मस्टर व अंशकालीन कर्मचारियों को मध्यप्रदेश सरकार अपने सभी शासकीय विभागों में या जो भी प्राइवेट कंपनियां हैं, समस्त संस्थानों, विभागों में समान कार्य का समान वेतन देने जा रही है। इस तरह का समाचार कि 1 अप्रैल 2026 से केन्द्र के समान वेतन देश के प्रत्येक राज्य में हर जिले के सभी विभागों में कार्यरत दैनिक वेतनभोगी आउटसोर्स मस्टर व अंशकालीन कर्मचारियों को केंद्र शासन द्वारा तय माप दण्ड के अनुसार मध्यप्रदेश की राज्य सरकार भी देगी। केंद्र सरकार जो भी न्यूनतम वेतनमान तय करेगी, देश की प्रत्येक राज्य सरकारें अपने यहां उससे कम वेतन नहीं दे पाएंगे, भले ही राज्य सरकारें तय वेतनमान से अधिक वेतन दें, किन्तु उससे कम नहीं दे सकती हैं। इस विषय को लेकर केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडवीया जी ने भी लोकसभा सदन के पटल पर बड़े ही बेबाकी के साथ देश के सम्पूर्ण राज्यों में एक समान वेतन की बात सबके समक्ष रखा था। मंहगाई को देखते हुए सरकार के वेतन वृद्धि की इस खबर ने कर्मचारियों के बीच कोलाहल मचा दिया है। जिससे सभी तरह के कच्चे कर्मचारियों में भी अत्यधिक उत्सुकता व खुशी का माहौल छाया हुआ नजर आते दिखाई पड़ा।

मेट्रो एंकर भक्ति और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बालाजी धाम में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न

पंचकुंडात्मक रूद्र यज्ञ, कन्या पूजन और भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने लिया प्रसाद

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

श्री बालाजी धाम पिथौली में आयोजित पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव हनुमान जी महाराज के प्राकट्य उत्सव, पंचकुंडात्मक रूद्र यज्ञ और भक्ति कार्यक्रमों के साथ श्रद्धा और आस्था के माहौल में सम्पन्न हुआ। पांच दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंजता रहा।

महोत्सव के दौरान प्रतिदिन हवन-पूजन, धार्मिक प्रवचन तथा भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। यज्ञाचार्य कमरलाल शास्त्री कूल्हन के आचार्यात्व में विशेष अनुष्ठान सम्पन्न हुए। शुभ मुहूर्त में श्री शिव परिवार, श्री राधाकृष्ण एवं मां काली की प्रतिमाओं की वैदिक विधि से प्राण प्रतिष्ठा वेदपाठी ब्राह्मणों द्वारा कराई गई। बताया जाता है कि इस मंदिर की स्थापना शिक्षक गणपत सिंह राजपूत की आस्था और तपस्या का परिणाम है। वर्ष 2006 में उन्होंने भक्तों के साथ मेहंदीपुर बालाजी तक पैदल यात्रा कर वहां से बालाजी की प्रतिमा

लाकर यहां स्थापित की थी। आज यह स्थान पिथौली धाम के रूप में जिले सहित अन्य क्षेत्रों में भी प्रसिद्ध हो चुका है, जहां हर मंगलवार और शनिवार को श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या पहुंचती है। श्री बालाजी सेवा समिति के अध्यक्ष अतुल नेमा ने बताया कि यज्ञ की पूर्णाहुति के अवसर पर मंदिर से जुड़े 21 सेवादारों को उनके निस्वार्थ सेवा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। सभी सेवादारों को तिलक लगाकर श्रीफल एवं अंगवस्त्र भेंट किए गए। कार्यक्रम में कन्या पूजन भी श्रद्धा के साथ किया गया तथा श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। मंदिर के पुजारी पंडित हरि नारायण शर्मा, समिति सचिव अमान सिंह राजपूत, मुकेश सिंह राजपूत, इंजीनियर राममोहन शर्मा एवं ईश्वर सिंह राजपूत सहित अनेक गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी भक्तों को सम्मानपूर्वक बैठाकर श्री बालाजी महाराज की प्रसादी वितरित की गई।

जमीन सौदे में कैमोर नपा अध्यक्ष को नोटिस, कलेक्टर ने गठित की जांच टीम

कटनी. नगर सुधार न्यास (अब नगर निगम) की अधिग्रहित जमीनों की खरीद-फरोख्त के मामले में प्रशासन पूरी तरह अलर्ट हो गया है। योजना क्रमांक-17 (ग्राम बरगवां, जबलपुर रोड) की विवादित जमीन के सौदों को लेकर एक ओर माधवनगर पुलिस ने खरीदारों और विक्रेताओं को नोटिस जारी किया है, वहीं कलेक्टर आशीष तिवारी ने पूरे प्रकरण की जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन कर दिया है। नगर निगम आयुक्त तपस्या की अध्यक्षता में गठित इस जांच टीम में एडीएम, एसडीएम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। कलेक्टर ने टीम को निर्देश दिए हैं कि सात दिन के भीतर पूरे मामले की जांच कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। इधर, माधवनगर पुलिस द्वारा जारी नोटिस से हडकंप मच गया है। पुलिस ने विक्रेता पैट्रिक रॉबर्ट डन और खरीदारों पलक ग्रोवर, गगन ग्रोवर, हरीश वतनानी और दिलीप वतनानी को नोटिस भेजकर जमीन की खरीदी-बिक्री से जुड़े सभी दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि पलक ग्रोवर कैमोर नगर परिषद की वर्तमान अध्यक्ष हैं, जिससे मामला और अधिक चर्चाओं में आ गया है। सभी संबंधितों को थाने में उपस्थित होकर बयान दर्ज कराने होंगे।

सत्याग्रहः भोजशाला में गूंजा हनुमान चालीसा, प्रवीण तोगड़िया ने किया परिसर का अवलोकन

निर्बाध पूजा किए जाने और नमाज बंद करने की उठाई मांग

धार। दोपहर मेट्रो

ऐतिहासिक भोजशाला में मंगलवार को परंपरागत सत्याग्रह का आयोजन किया गया। भोज उत्सव समिति के बैनर तले आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग एकत्रित हुए। हिंदु समाज के लोगो ने सुबह हनुमान चालीसा के पाठ और सामूहिक पूजन किया। सत्याग्रह के बाद अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया भोजशाला पहुंचे। प्रवीण तोगड़िया ने पूरे परिसर का अवलोकन किया, इस दौरान भोज उत्सव समिति के गोपाल शर्मा ने उन्हें परिसर की ऐतिहासिकता और वर्तमान स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मीडिया से चर्चा करते हुए तोगड़िया ने कहा, मैं आज से 23 साल पहले यहां ताला खुलवाकर संघर्ष शुरू करने आया था, तब एक लाख लोगों की सभा हुई थी। आज फिर सरस्वती मैया के दर्शन और आशीर्वाद लेने आया हूं। तोगड़िया ने परिसर में मौजूद प्रमाणों का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां शिवलिंग, कार्तिकेय स्वामी की मूर्ति, शंख और दीवारों पर कालसर्प योग के चक्र जैसे स्पष्ट साक्ष्य मौजूद हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि दुनिया में ऐसी कोई मस्जिद दिखाएं जहां मूर्तियां हों, जहां मंदिर और मूर्तियां हैं, वहां नमाज कैसे हो सकती है। यह जिद अब नहीं चलेगी उन्होंने मांग की कि भोजशाला में वाग्देवी की मूल मूर्ति स्थापित कर निर्बाध पूजा शुरू होनी चाहिए और वर्ष में एक दिन भी नमाज की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब मुगल काल बीत चुका है। आज मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में ऐसी सरकारें हैं जो धर्म की रक्षा में विश्वास रखती हैं। ऐसे में हिंदुओं की आस्था के केंद्र में मूर्ति के साथ पूर्ण पूजा का अधिकार मिलना ही चाहिए। उन्होंने भाईचारे के तर्क पर तंज कसते हुए कहा कि सद्भाव एकपक्षीय नहीं हो सकता। परिसर के अवलोकरन के दौरान उन्होंने बताया कि न्यायालय के आदेशानुसार जो वैज्ञानिक सर्वे हुआ है, वह दूध का दूध और पानी का पानी कर देगा। सर्वे में मिलने वाले तथ्य, शिलालेख और कलाकृतियां इस बात के जीवंत प्रमाण बनेंगे कि भोजशाला का मूल स्वरूप एक भव्य सरस्वती मंदिर ही है।

आज हाईकोर्ट में फिर होगी बहस

भोजशाला विवाद को लेकर इंदौर हाईकोर्ट की डबल बेंच में सोमवार से नियमित सुनवाई शुरु हो गई है, न्यायाधीश विजय कुमार शुक्ला और आलोक अवस्थी की खंडपीठ में सुनवाई चल रही है। सोमवार को दोपहर में हुई सुनवाई शाम तक चली थी, जिसमें हिंदु फ्रंट फोर जस्टिस की और वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णुशंकर जैन ने करीब दो घंटे तक अपना पक्ष रखा था, आज फिर कोर्ट में सुनवाई होगी जिसमें दलीले और साक्ष्य प्रस्तुत किए जाएंगे। एएसआई की रिपोर्ट को लेकर भी विस्तृत बहस होने की संभवाना है, सुनवाई के दौरान कोर्ट मुस्लिम पक्ष की दलीलें भी सुनेंगी।

कब्जों से बिगड़ी व्यवस्था

माधवनगर के रॉबर्ट लाइन कन्या विद्यालय में बनवाया जा रहा सार्वजनिक शौचालय

कटनी। दोपहर मेट्रो

माधवनगर स्थित शासकीय कन्या विद्यालय में जो हालात सामने आए हैं, वे पूरे सिस्टम की संवेदनहीनता और लापरवाही की पोल खोलते हैं, छात्राओं की सुरक्षा और शिक्षा को दरकिनार कर स्कूल परिसर में अतिक्रमण और सार्वजनिक शौचालय निर्माण जैसे फैसले यह सवाल खड़े करते हैं कि आखिर जिम्मेदार अधिकारी किसके हित में काम कर रहे हैं, बच्चों के या अव्यवस्था के...। जिस विद्यालय में बच्चों और खासकर छात्राओं को सुरक्षित माहौल, बेहतर शिक्षा और खेल सुविधाएं मिलनी चाहिए, वही आज लापरवाही और अतिक्रमण का शिकार बन गया है। शहर के माधवनगर स्थित रॉबर्ट लाइन के शासकीय कन्या माध्यमिक शाला का हाल बदहाल है, जहां पढ़ाई और खेल अब महज औपचारिकता बनकर रह गए हैं। सबसे गंभीर मामला यह है कि स्कूल परिसर के भीतर ही नगर निगम द्वारा सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराया जा रहा है। स्कूल प्रबंधन द्वारा बार-बार विरोध और लिखित शिकायतों के बावजूद नगर निगम के अधिकारियों ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। स्कूल प्रभारी ने आयुक्त नगर निगम, डीपीसी और डीईओ तक को पत्र लिखकर समस्या बताई, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ चुप्पी मिली। अब स्थिति यह है कि शौचालय का निर्माण आधे से ज्यादा पूरा हो चुका है।

केवल शौचालय ही नहीं, बल्कि स्कूल परिसर में टपरे रखकर भी अतिक्रमण किया गया है। बाहरी लोगों की आवाजाही बढने से स्कूल का वातावरण प्रभावित हो रहा है। बच्चों का खेल मैदान सिमटता जा रहा है, जिससे खेल गतिविधियां लगभग ठप हो गई हैं। यह स्थिति छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर सीधा असर डाल रही है।

विद्यालय में 400 से अधिक छात्राएं पढ़ाई कर रही हैं, जबकि करीब 100 बच्चियों का हॉस्टल भी यहीं संचालित है। ऐसे में बाहरी लोगों की मौजूदगी और असुरक्षित माहौल छात्राओं की सुरक्षा पर बड़ा खतरा बन गया है। अभिभावकों में भी इस स्थिति को लेकर चिंता बढ़ रही है।

सिंगर नीरज श्रीधर के हिट गीतों और रंगारंग आतिशबाजी के साथ हुआ डोहेला महोत्सव का समापन

विधायक भूपेन्द्र सिंह ने हमें डोहेला मंच की समृद्ध परंपरा दी: अविराज

सागर। दोपहर मेट्रो

बांबे वाइकिंग बेंड के राक एंड पाप फ्यूजन के लिए मशहूर गायक,प्लेबैक सिंगर नीरज श्रीधर के गीतों से सजी शाम और आतिशबाजी के साथ खुरई डोहेला महोत्सव - 2026 का समापन हो गया। युवा भाजपा नेता अविराज सिंह ने डोहेला महोत्सव के मंच से कहा कि पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने हमें डोहेला मंच की ऐसी समृद्ध परंपरा दी है कि अब सागर जिले के लोगों को कुमार शानू, सोनू निगम, अलका याग्निक, उदित नारायण,कैलाश खेर और नीरज श्रीधर जैसे आर्टिस्टों के लाइव कांसर्ट देखने मुंबई जाकर टिकट खरीदने की जरूरत नहीं पड़ती, मुंबई फिल्म इंडस्ट्री स्वयं खुरई के डोहेला महोत्सव में आ जाती है।

महोत्सव-2026 का तीसरा और समापन दिवस है। हम सभी ने पहले दिन कैलाश खेर को सुना, कल अकासा को सुना, दोनों दिन लोग उत्सव, उमंग और खुशी से भरे हुये थे। नीरज श्रीधर देश के जाने माने गायक हैं। उनके सुप्रसिद्ध गाने प्रेम की नैय्या (अजब प्रेम की गजब कहानी),लव मेरा हिट हिट (बिल्लू), ट्विस्ट (लव आज कल), तुम मिले (रोमांटिक क्लासिक),भूल भुलैया (टाइटल ट्रैक),वे हिट गाने हैं . समापन के अवसर पर मैं आप सभी का धन्यवाद करता हूँ। 11 वर्षों में यहां आए सभी प्रसिद्ध कलाकारों ने खुरई की व्यवस्थाओं की, डोहेला किला की, खुरई की जनता के अनुशासन की तारीफ की है, ये हम सभी के लिए गौरव की बात है। आज पूरे फिल्म इंडस्ट्री में लोग खुरई को जानते है, कई कलाकार जो खुरई महोत्सव में आए और फिर

उनके कैरियर ने और ज्यादा ऊँचाइयां छूई हैं।

स्वीडिश भारतीय मूल के सिंगर नीरज श्रीधर ने अपने हिट्स नाचेंगे सारी रात, मैंने तुझको देखा,झक मार के, लव मेरा हिट हिट, आहू आहू, चोर बाजारी दो नैनों की, ख्वाब देखे, हम करें तो साला कैरेक्टर ढीला है, भूल भुलैंया, तुम्हीं हो बंधु सखा तुम्हीं हो जैसे हिट गाने सुना कर नीरज श्रीधर ने पाप म्यूजिक के प्रेमियों की बल्ले बल्ले कर दी। नीरज के गानों और संगीत पर किला मैदान में यूथ आडिएंस बाइब्रेंट हो उठी। दर्शकों से नीरज ने सीधा कनेक्ट किया,वे खुद नाचे और सभी को खूब नचाया भी।

किला मैदान खचाखच भरा रहा

समापन दिवस पर भी डोहेला महोत्सव देखने सुनने आए दर्शकों से किला मैदान खचाखच भरा रहा। डोहेला मेला देखने आसपास के जिलों और देहातों से भारी संख्या में लोग परिवारों के साथ आए। किला मैदान के पास बनाए गए व्यावसायिक परिसर भी खरीददारों की भीड़ से तीनों दिन भरा रहा। महिला स्व-सहायता समूहों की बहिनों के स्टालों पर उनके उत्पाद खरीदने भारी भीड़ उमड़ी। पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह के निर्देश पर नपा द्वारा इन बहिनों के लिए महाकाली शेड में निशुल्क स्टाल बना कर दिए गये थे। कार्यक्रम का संचालन एंकर प्रिया वर्डे और वरिष्ठ पार्षद अजीत सिंह अजमानी ने किया।

मोनू घोषी ने बढ़ाया नगर का गौरव

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

संत अलॉयसियस महाविद्यालय स्वशासी, जो सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय का नोडल केंद्र है, में अगस्त 2025 में आयोजित एमएसएमई विचार

महोत्सव 5.0 में महाविद्यालय के छात्रों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देशभर से हजारों नवाचार प्रस्तुत किए गए, जिनमें महाविद्यालय के दो अभिनव प्रकल्प 'विन बिन' और 'स्मार्ट स्विच बीएलडीसी'का चयन हुआ। इन प्रकल्पों को क्रमशः 15 लाख एवं 4 लाख रुपये की अनुदान राशि प्रदान की गई। प्रदेश से चयनित कुल 24 विचारों में से जबलपुर के केवल दो प्रकल्पों का चयन होना इस उपलब्धि को और भी विशेष बनाता है। इस सफलता में गौरव गोयल का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा। महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. जे. जी. वल्लन अरासू एवं प्राचार्य डॉ. फा. जे. बेन एन्टोन रोज ने सभी विजेता छात्रों एवं नोडल अधिकारी डॉ. आशु जैन को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शराब दुकान हटाने को लेकर चल रहे प्रदर्शन में आप नेता ने खुद पर उड़ेला पेट्रोल

किसी ने तीली जलाकर फेंकी, बिछी मैट में लगी आग

सागर। दोपहर मेट्रो

बीना में शराब दुकान हटाने को लेकर चल रहे धरना प्रदर्शन में बड़ी घटना टल गई। दरअसल छोटी बजरिया भीम वार्ड में संचालित शराब दुकान का स्थानीय लोग एक साल से विरोध कर रहे हैं। दुकान हटाने की मांग को लेकर मंगलवार को आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष निर्मल रैकवार स्थानीय लोगों के साथ दुकान के सामने धरना-प्रदर्शन कर रहे थे।

इसी दौरान निर्मल ने खुद पर पेट्रोल डाल लिया। प्रदर्शन स्थल पर मौजूद पुलिस ने उसे पकड़ लिया। इसी दौरान एक व्यक्ति ने माचिस की तीली जलाकर जमीन पर फेंक दी और धरना स्थल पर आग भड़क गई व अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने धरने पर बैठी महिलाओं को पीछे हटाया।पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लेकर एसडीएम कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। दुकान सिविल क्षेत्र में है। सामने की जमीन रेलवे की है।

सुबह 10.30 बजे बीना थाना, आरपीएफ, और जीआरपी टीआई मौके पर पहुंच गए थे।

करीब आधे घंटे तक धरना-प्रदर्शन शांति से चलता रहा। स्थानीय लोग दुकान के सामने बैठकर धरना दे रहे थे। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को स्थानीय लोग शराब दुकान से होने वाली समस्याएं बता रहे थे। इस बीच निर्मल रैकवार नारेबाजी कर रहे थे। शराब दुकान हटाने की मांग कर रहे थे। भीड़ में किसी ने उन्हें पेट्रोल से भरा कुप्पा दे दिया। उन्होंने अपने पेट्रोल अपने ऊपर डाल लिया। मौके पर मौजूद पुलिस ने उन्हें पकड़कर भीड़ से अलग कर दिया। इसी दौरान किसी शरारती तत्व ने माचिस की तीली जलाकर जमीन पर फेंक दी। इससे आग लग गई। आग भड़कने से मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। मौजूद पुलिस धरने पर बैठी महिलाओं को हटा रही थी। तभी किसी ने पुलिस पर पत्थर फेंका। इसके चलते पुलिस ने बल प्रयोग किया। इस मामले में पुलिस ने निर्मल रैकवार के साथ पेट्रोल का कुप्पा देने वाले और पत्थर फेंकने बाग वाले को हिरासत में लिया है। दोपहर 3 बजे नायब तहसीलदार हेमराज मैहर ने उन्हें बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में यह मामला है और दुकान हटाने प्रक्रिया चल रही हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द दुकान हटा दी जाएगी, इसके बाद महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन खत्म कर दिया।

जंगलों में तेंदू फल की बहार, ग्रामीणों को मिल रहा आजीविका का सहारा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

उपवन मंडल के अंतर्गत आने वाले वन परीक्षेत्रो के जंगलों में इन दिनों तेंदू के पेड़ों पर फल प्रचुर मात्रा में लगे हुए हैं। स्थानीय ग्रामीण इस मौसम का भरपूर लाभ उठाते हुए पारंपरिक तरीकों से इन फलों का संग्रहण कर रहे हैं। तेंदू का यह फल, जिसे छत्तीसगढ़ में चीकू के नाम से भी जाना जाता है, स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पोषण से भरपूर होता है। ग्रामीण सुबह से ही जंगलों की ओर रुख करते हैं और सावधानीपूर्वक पेड़ों से फल तोड़ते हैं। इस कार्य में वे स्थानीय रूप से तैयार किए गए साधनों का उपयोग करते हैं, जिससे पेड़ों को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचे और फल भी सुरक्षित रूप से एकत्र हो सकें। यह गतिविधि न केवल उनकी आजीविका का महत्वपूर्ण साधन बनी हुई है, बल्कि क्षेत्र की पारंपरिक ज्ञान प्रणाली को भी जीवित रखे हुए है। संग्रहण के बाद इन फलों को स्थानीय बाजारों में लाकर बेचा जाता है, जहां इनकी अच्छी मांग देखी जा रही है। नगर में व्यापारी और उपभोक्ता दोनों ही इन ताजे व प्राकृतिक फलों को खरीदने में रुचि रखते हैं,

क्योंकि यह शरीर के लिए लाभदायक होता है जिसके कारण लोग इसका सेवन करते हैं और ग्रामीणों को उचित मूल्य प्राप्त हो रहा है। इस मौसमी व्यवसाय से उन्हें अतिरिक्त आय का स्रोत मिल रहा है, जो उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सहायक है। वन क्षेत्र में इस प्रकार की गतिविधियां ग्रामीण जीवन और प्रकृति के बीच संतुलन का उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। राजकुमार ठाकुर नरगुँवा ने कहा कि आवश्यकता इस बात की है कि इस परंपरा को संरक्षण मिले और वन संसाधनों का सतत एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इससे लाभान्वित हो सकें।

मेट्रो एंकर | टाइगर रिजर्व में पहली बार दुनिया की सबसे छोटी जंगली बिल्ली उपस्थिति के प्रमाण मिले

वीडीटीआर दुनिया का पहला रिजर्व टाइगर बनेगा जहां एक साथ देखी जा सकेंगी छोटी, बड़ी और तेज बिल्लियां

शशिकांत ढिमोले। सागर

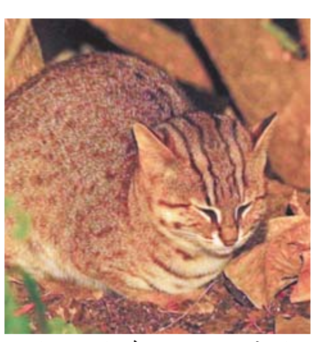

इस वर्ष अफ्रीकन चीता की स्थापना के साथ वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व (पूर्व नाम नौरादेही) भारत का ही नहीं बल्कि दुनिया का अकेला ऐसा टाइगर रिजर्व बन जाएगा जिसमें दुनिया की सबसे बड़ी बिल्ली 'बाघ' सबसे तेज बिल्ली 'चीता' और सबसे छोटी बिल्ली 'रस्टी स्पॉटेड कैट' एक साथ देखी जा सकेगी। दरअसल वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में पहली बार दुनिया की सबसे छोटी जंगली बिल्ली की प्रजाति, रस्टी-स्पॉटेड कैट का फोटोग्राफिक सबूत मिला है। यह रिजर्व की जैव विविधता के रिकॉर्ड में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह तस्वीर फरवरी और मार्च 2024 के बीच मध्य प्रदेश वन विभाग और WWF-India द्वारा सालाना बाघ निगरानी अभियान के तहत किए गए 'कैमरा ट्रैप सर्वे' के दौरान ली गई थी। यह तस्वीर टाइगर रिज़र्व की 'डोंगरगाँव रेज' में रिकॉर्ड की गई थी।

रस्टी-स्पॉटेड कैट को आईयूसीएन की रेड लिस्ट' में संकट के करीब श्रेणी में रखा गया है. और भारत में इसे वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972' की अनुसूची 1 के तहत सुरक्षा प्राप्त है। यह प्रजाति आमतौर पर सूखे पर्णपाती वनों. झाडियों वाले इलाकों, घास के मैदानों और पथरीले क्षेत्रों में पाई जाती है. और कभी-कभी इंसानी बस्तियों के पास भी नज़र आ जाती है। पूरे भारत में व्यापक रूप से पाए जाने के बावजूद, वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में इस प्रजाति का यह पहला पुष्ट फ़ोटोग्राफ़िक रिकॉर्ड है।

छोटी जंगली बिल्लियों के लिए उपयुक्त आवास

सागर, दमोह और नरसिंहपुर ज़िलों में 2,339 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व, मध्य प्रदेश का सातवों टाइगर रिजर्व है। यह अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है, जिसमें बाघ, स्लॉथ बीयर (भालू), भेड़िये और गिद्ध शामिल हैं। यह नया रिकॉर्ड रिजर्व के पारिस्थितिक महत्व को उजागर करता है, और यह दर्शाता है कि यहाँ छोटी जंगली बिल्लियों के लिए उपयुक्त आवास मौजूद है। शोधकर्ताओं ने इस क्षेत्र में रस्टी-स्पॉटेड कैट के व्यवहार, वितरण और संरक्षण की स्थिति को बेहतर ढंग से समझने के लिए आगे और अध्ययन करने की सिफारिश की है। यह खोज ङ्कष्ठञ्जक्र (वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व) के महत्व को एक ऐसे वन्यजीव आवास के रूप में और भी मजबूत करती है, जो न केवल बाघों का घर है, बल्कि कई अन्य कम-जात और दुर्लभ प्रजातियों का भी आश्रय स्थल है। यह रिज़र्व में ऐसी प्रजातियों की निगरानी और वैज्ञानिक प्रबंधन की आवश्यकता पर भी जोर देता है।

कार्यालय म.प्र.माध्यस्थम अधिकरण, विन्ध्याचल भवन, भू-तल भोपाल

दूरभाष क. 0755-2551417

फा.क्र. 419 / स्टोर / 2026 | भोपाल दिनांक 6 .04.2026

वाहन किराये पर लिये जाने हेतु निविदा विज्ञप्ति

म.प्र. माध्यस्थम अधिकरण भोपाल के उपयोग हेतु 02 वाहन (सियाज/वरना/होण्डा अमेज आदि अधिकतम कीमत रूपयें 10.00 लाख EX-Showroom Price) मासिक आधार पर पेट्रोल/ईधन सहित / रहित किराये पर लिया जाना है। इसके लिए सक्षम फर्म / संस्था (शासकीय नियमानुसार सेवाकर, जी.एस.टी. हेतु पंजीकृत) से उपलब्ध कराने हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा के लिये निविदा प्रपत्र रू. 500/- नगद जमा कर कार्यालयीन समय में प्राप्त किये जा सकते है। सीलबंद निविदाये दिनांक 20/04/2026 को अपरान्ह 4.00 बजे तक जमा की जा सकती है। प्राप्त निविदायें दिनांक 21/04/2026 को अपरान्ह 4.00 कार्यालय में गठित समिति द्वारा उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेंगी। अध्यक्ष म.प्र. माध्यस्थम अधिकरण बिना किसी कारण बताए, किसी भी या सभी प्रस्ताव को स्वीकार / अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखते है।

(अरविन्द कुमार गोयल)
रजिस्ट्रार (उच्च न्यायिक सेवा)
म.प्र.माध्यस्थम अधिकरण, भोपाल

जी-11152/26

केकेआर के सामने मुश्किलों का अंबार

मिडिल आर्डर खोखला, ग्रीन की खराब फार्म, भुगतना पड़ सकता है बड़ा खाजियाजा

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की शुरुआत निराशाजनक हुई है। तीन मुकाबलों के बाद भी केकेआर को इस सीजन की अपनी पहली जीत की तलाश है। तीन बार की चैंपियन केकेआर के सामने कई परेशानियां नजर आ रही हैं, जिसका हल अगर समय रहते नहीं खोजा गया, तो टीम को खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। केकेआर के लिए इस सीजन पारी का आगाज फिन एलन और अजिंक्य रहाणे करते हुए नजर आए हैं। एलन ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे हैं, लेकिन रहाणे की फॉर्म चिंता का विषय है। कुछ दमदार शॉट्स लगाने के बाद रहाणे पावरप्ले में काफी धीमे पड़ जा रहे हैं। वहीं, एलन शुरुआत तो धमाकेदार अंदाज में कर रहे हैं, लेकिन अब तक वह बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे हैं।

फॉर्म केकेआर ने ऑक्शन में कैमरून ग्रीन के लिए 25.20 करोड़ रुपये खर्च किए थे। हालांकि, ग्रीन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा बताई गई उनकी पीठ की इंजरी और वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर शुरुआती मुकाबलों में गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। इसके साथ ही बल्लेबाजी में भी नंबर तीन पर खेलते हुए कोई खास कमाल नहीं दिखा पा रहे हैं। 3 मुकाबलों के बाद ग्रीन के बल्ले से सिर्फ 24 रन निकले हैं।

केकेआर का मिडिल ऑर्डर भी आईपीएल 2026 में खोखला नजर आ रहा है। अंगकृष रघुवंशी ने जरूर नंबर 4 पर खेलते हुए अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है, लेकिन उन्हें बाकी बल्लेबाजों का कोई खास साथ नहीं मिल सका है। आमतौर पर केकेआर के लिए फिनिशर की भूमिका निभाने वाले रिंकू सिंह को इस सीजन नंबर पांच पर उतारा जा रहा है।

रिंकू सिंह का बल्ला खामोश

रिंकू ने 2 पारियों में 68 रन तो बनाए हैं, लेकिन उनका विस्फोटक अंदाज देखने को नहीं मिला है। रमनदीप सिंह,अनुकूल रॉय और सुनील नरेन से केकेआर हर मुकाबले में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद नहीं कर सकती है। नरेन को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ नंबर 8 पर भेजा गया था और वह सिर्फ 12 रन ही बना सके थे। वहीं, रमनदीप 10 और अनुकूल बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए थे। मध्यक्रम में अनुभवी या बड़े बल्लेबाज की कमी साफतौर पर दिखाई दे रही है। केकेआर के लिए आईपीएल 2026 में तेज गेंदबाजी को सबसे कमजोर कड़ी माना जा रहा था। यह बात शुरुआती मुकाबलों में पूरी तरह से सही साबित भी हुई है। वैभव अरोड़ा और ब्लेसिंग मुजरबानी काफी महंगे साबित हुए हैं। वहीं, कार्तिक त्यागी भी उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके हैं। पेस के साथ स्पिन विभाग में वरुण चक्रवर्ती और सुनील नरेन की खराब फॉर्म ने टीम की परेशानियों में इजाफा करने का काम किया है। वरुण-नरेन की जोड़ी पर केकेआर पिछले कुछ सालों से काफी निर्भर रही है और इन दोनों का खराब प्रदर्शन टीम को भारी पड़ रहा है।

नाम बड़े, परफॉर्मेंस जीरो!

आईपीएल 2026 के पहले सप्ताह में अर्शदीप समेत 5 स्टार खिलाड़ियों की हुई खूब फजीहत

नई दिल्ली , एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन का पहला हफ्ता रोमांच, करीबी मुकाबलों और कुछ चौंकाने वाले नतीजों से भरपूर रहा। जहां कुछ नए और अनजान खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर सबको प्रभावित किया। वहीं कुछ ऐसे नाम भी रहे, जो उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए। हालांकि आईपीएल 2026 अभी शुरुआती दौर में ही है, लेकिन लगातार खराब प्रदर्शन के चलते कुछ स्टार खिलाड़ी शुरुआती हफ्ते के फ्लॉप प्लेयर्स की लिस्ट में शामिल हो गए। आइए जानते हैं ऐसे 5 स्टार खिलाड़ियों के बारे में, जिनका आगाज मौजूदा सीजन में निराशाजनक रहा।

अर्शदीप सिंह: पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह मौजूदा सीजन में उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं। उन्होंने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 4 ओवर्स में 42 रन खर्च किए और कोई विकेट हासिल नहीं कर सके। इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ भी वह महंगे साबित हुए और 4 ओवर में बिना विकेट लिए 41 रन लुटाए। खास बात यह रही कि उन्होंने गुजरात टाइटन्स के विरुद्ध मुकाबले में 11 गेंदों का ओवर भी फेंका, जो आईपीएल के इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे लंबा ओवर रहा।

सूंज़ सैमसन| विकेटकीपर बल्लेबाज सूंज सैमसन चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अब तक संघर्ष करते नजर आए हैं। तीन मैचों में उन्होंने 6, 7 और 9 रन बनाए हैं, जिससे उनकी फॉर्म पर सवाल खड़े हो गए हैं। संजू हालिया आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय टीम के लिए मैच-विनर साबित हुए थे, लेकिन अब उनकी फॉर्म सीएसके के लिए सिरदर्द बन गई है।

कैमरन ग्रीन| कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी कैमरन ग्रीन भी अभी तक अपने नाम के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। वह चोट के कारण गेंदबाजी नहीं कर सके हैं और बल्लेबाजी में भी ज्यादा योगदान नहीं दे पाए। मुंबई इंडियंस (MI) के विरुद्ध ग्रीन ने 18 रन बनाए। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद (स्त्र्।।) के खिलाफ मुकाबले में वो 2 रनों के निजी स्कोर पर रन आउट हुए।

केएल राहुल| दिल्ली कैपिटल्स (DC) के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल का प्रदर्शन भी चौंकाने वाला रहा है। दो पारियों में वह सिर्फ 1 रन ही बना सके हैं, जबकि टीम उनसे बड़ी पारियों की उम्मीद कर रही थी। लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के खिलाफ राहुल खाता नहीं खोल पाए थे। जबकि मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में राहुल ने 1 रन बनाए।

वरुण चक्रवर्ती| कोलकाता नाइट राइडर्स के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी शुरुआती दो मैचों प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ उन्होंने 4 ओवर में 48 रन दिए, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 2 ओवर्स में 31 रन खर्च किए। उनकी गेंदबाजी में निरंतरता की कमी साफ दिखी है, साथ ही लेंथ-लाइन भी भटकी रही।

5 युवा खिलाड़ी, जिन्होंने आईपीएल 2026 में बिखेरी अपनी चमक

आईपीएल 2026 में युवा खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। आइए, ऐसे ही 5 युवा खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं।

समीर रिजवी: यूपी टी20 लीग में सुर्खियां बटोरने वाले रिजवी ने आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने इस खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ा। रिजवी ने 2026 में टीम ने एक बार फिर इस खिलाड़ी पर भरोसा जताया। रिजवी अब तक इस भरोसे पर खरे उतरे हैं। उन्होंने इस सीजन 2 मुकाबलों में 160 की औसत के साथ 160 रन बनाए हैं, जिसमें 90 रन की पारी भी शामिल हैं। रिजवी दोनों ही मुकाबलों में डीसी की जीत के हीरो रहे हैं।

वैभव सूर्यवंशी: बिहार के इस 15 वर्षीय खिलाड़ी की आईपीएल 2026 में अपने अभियान की शुरुआत चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 15 गेंदों में बनाए गए तूफानी अर्धशतक से की। इसके बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ भी उन्होंने एक और विस्फोटक पारी खेली, जिसने राजस्थान रॉयल्स की मजबूत शुरुआत की नींव रखी। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए वैभव सूर्यवंशी के साथ वैभव की जोड़ी कमाल रही है।

अंगकृष रघुवंशी: कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए रघुवंशी इस सीजन एक चमकते सितारे के रूप में उभरे हैं। मुंबई के इस युवा खिलाड़ी ने बैटिंग ऑर्डर में लगातार हाफ-सेंचुरी बनाकर सभी को प्रभावित किया है। इसके साथ ही विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभाली है।

प्रिंस यादव: लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की तेज गेंदबाजी यूनिट को प्रिंस यादव के रूप में एक होनहार खिलाड़ी मिला है। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद टीम में शामिल किए गए इस युवा तेज गेंदबाज ने मौकों का पूरा फायदा उठाया है। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध 20 रन देकर 2 विकेट निकाले, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 34 रन देकर 2 विकेट हासिल किए।

हर्ष दुबे: विदर्भ के इस ऑलराउंडर ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की ओर से खेलते हुए पावरप्ले में असरदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 35 रन देकर 1 विकेट हासिल किया, जिसके बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 17 रन देकर 1 विकेट निकाला। लखनऊ सुपर जायंट्स के विरुद्ध दुबे ने 18 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए थे।

बीसीबी में भूचाल! बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड भंग तमीम इकबाल बने नए बॉस, बुलबुल हुए आउट

नई दिल्ली , एजेंसी

बांग्लादेश क्रिकेट में बड़ा प्रशासनिक बदलाव हुआ है. नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल (हस्ष्ट) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को भंग करने का फैसला लिया. यह कदम 2025 के बोर्ड चुनाव में व्यापक अनियमितताओं के आरोपों के बाद उठाया गया है.

क्रिकबज के मुताबिक- एनएससी ने मौजूदा अमीनुल इस्लाम बुलबुल की अगुवाई वाले बोर्ड को हटाते हुए 11 सदस्यीय एड-हॉक कमेटी गठित की है. इस नई कमेटी की कमान बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम को सौंपी गई है.

एड-हॉक कमेटी (11 सदस्य)

प्रेसिडेंट: तमीम इकबाल

मेंबर: रश्ना इमाम, मिर्जा यासिर अब्बार, सैयद इब्राहिम अहमद, इसराफिल खोसरू, मिन्हाजुल आबेदीन नन्नू, अतहर अली खान, तंजील चौधरी, सलमान इस्पहानी, रफीकुल इस्लाम बाबू, फहीम सिन्हा, अहर अली खान

एनएससी के खेल निदेशक अमीनुल अहसान ने बताया कि जांच समिति की रिपोर्ट में चुनाव प्रक्रिया में गंभीर खामियां सामने आईं. उनके मुताबिक, बुलबुल द्वारा 10 पूर्व क्रिकेटरों को एकतरफा नामित करना चुनाव पर असर डाल सकता था और इससे नतीजों को प्रभावित करने की आशंका बनी. उन्होंने कहा कि मंत्रालय और हस्ष्ट की जांच में स्पष्ट रूप से अनियमितताओं की बात सामने आई है, जिसके आधार पर यह कड़ा फैसला लिया गया.

काउंसिल को ई-मेल के जरिए भेजी गई जानकारी

एनएससी ने इस फैसले की जानकारी इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को भी ईमेल के जरिए दे दी है. साथ ही यह भी बताया गया है कि नई एड-हॉक कमेटी अगले तीन महीनों (90 दिन) के भीतर चुनाव कराएगी. इस दौरान यह कमेटी एक निर्वाचित बोर्ड की तरह ही सभी प्रशासनिक और क्रिकेट संचालन से जुड़े फैसले लेने के लिए अधिकृत रहेगी. एनएसी का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य खेल प्रशासन में पारदर्शिता लाना, लोगों के बीच भरोसा बहाल करना और क्रिकेट के समग्र विकास को सुनिश्चित करना है. परिषद को उम्मीद है कि आईसीसी से इस फैसले पर जल्द सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी. इससे पहले भी संकेत मिल चुके थे कि बोर्ड को भंग किया जा सकता है.

13 से 17 अप्रैल तक खेले जाएंगे मुकाबले

चार मुकाबलों की सीरीज खेलने अर्जेंटीना जाएगी महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली । भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम चार मुकाबलों की सीरीज में हिस्सा लेने के लिए अर्जेंटीना के दौरे पर जाएगी। यह सीरीज 13 से 17 अप्रैल तक ब्यूनस आयर्स के सेनार्ड में खेली जाएगी। इस सीरीज को विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से अहम बताया जा रहा है। माना जा रहा है कि भारत-अर्जेंटीना के बीच होने वाली यह सीरीज काफी रोमांचक हो सकती है। सीरीज का पहला मुकाबला 13, दूसरा मैच 14, तीसरा मैच 16 और अंतिम मुकाबला 17 अप्रैल को खेला जाना है। यह दौरा बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 और एशियाई खेलों से पहले भारत की तैयारियों के लिहाज से काफी अहम समझा जा रहा है। हाल के वर्षों में भारत और अर्जेंटीना के बीच कांटे की

टक्कर देखने को मिली है और दोनों टीमों के बीच कई शानदार मुकाबले देखने को मिले हैं, जिसमें पिछले साल जून में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 में शूटआउट से तय हुआ 2-2 का रोमांचक ड्रॉ भी शामिल है। यह आगामी दौरा बेहतरीन अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ मैच प्रैक्टिस का अहम मौका देगा, जो हॉकी इंडिया के रणनीतिक कैलेंडर के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। अर्जेंटीना के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करके भारतीय टीम विश्व कप से पहले शानदार लय प्राप्त करना चाहेगी।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

आशा भोसले ने तब्बू को दिया जिंदगी का सबसे अनमोल तोहफा

अभिनेत्री बोलीं- शब्दों में बयां नहीं कर सकती अपनी खुशी

मशहूर गायिका आशा भोसले संगीत जगत की ऐसी शख्सियत हैं, जिन्होंने अपने सुरों से लोगों के दिलों में राज किया है। उन्होंने न सिर्फ आम दर्शकों को अपना मुरीद बनाया बल्कि बड़े बड़े सितारों को भी दीवाना बनाया है, जिनमें अभिनेत्री तब्बू का नाम भी शामिल हैं।

तब्बू ने आशा भोसले के साथ इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें आशा भोसले अभिनेत्री के साथ नजर आ रही हैं। वहीं, गायिका अपने हाथ में गिटार लिए हुए हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उनके जन्मदिन के मौके पर आशा ने उन्हें गिटार भेंट के तौर पर दिया था। तब्बू लिखती हैं, अपने सबसे यादगार दिनों

के बारे में बताओ...उन लम्हों के बारे में बताओं जो तुम कभी नहीं भूलोगे, जो चीज तुम्हें सबसे ज्यादा छूती है, उसके बारे में बताओ...अपने सबसे कीमती खजानों के बारे में बताओ।÷

उन्होंने बताया, नवंबर में मेरा जन्मदिन था और तभी यह सुंदरता मेरे दरवाजे पर आई...यह गिटार मुझे आशा जी ने तोहफे के तौर पर दी थी।तब्बू ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए लिखा, शब्दों में मैं जितनी कृतज्ञता महसूस करती हूं, उतनी बता नहीं सकती। मैं आपसे इतना प्यार और सम्मान करती हूं, आशाजी आपके गीतों के जरिए हमने प्यार, चाहत, दर्द और जुनून को महसूस किया। मैं इस गिटार को जीवन भर संभालकर रखूंगी। उम्मीद है कि जल्द ही मैं आपके लिए इस गिटार पर आपके ही गीत बजा पाऊंगी।

बहुमुखी पार्श्वगायिकाओं में से एक हैं आशा भोसले

आशा भोंसले भारतीय सिनेमा की सबसे बहुमुखी पार्श्वगायिकाओं में से एक हैं, जिन्होंने आठ दशकों से अधिक के करियर में कई गाने गाए हैं। उनकी आवाज में शास्त्रीय, गजल, कव्वाली, और पॉप संगीत की विविधता है, जो उन्हें अन्य गायिकाओं से अलग बनाती है। उन्होंने मदन मोहन, आर.डी. बर्मन और ओ.पी. नैयर जैसे दिग्गज संगीतकारों के साथ हिट गीत दिए हैं। आशा 1997 में ग्रैमी अवार्ड्स के लिए नामांकित होने वाली पहली भारतीय बनीं और उन्हें दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, उन्हें 2011 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा संगीत इतिहास में सबसे अधिक रिकॉर्ड किए गए कलाकार के रूप में मान्यता प्राप्त है।

डॉलर रेट पर मिलेगा काम, राजपाल यादव की बेइज्जती करने वालों को सलमान का जवाब

राजपाल यादव पिछले दिनों 9 करोड़ के कर्ज केस में फंसे थे। तब इंडस्ट्री के लोगों ने उनकी दिल खोलकर मदद की थी। लेकिन हाल ही में हुए एक अवॉर्ड फंक्शन में राजपाल का मजाक उड़ाया गया। कॉमेडी की आड़ में उनके लीगल केस को घसीटा गया। सीनियर जर्नलिस्ट ने राजपाल से कहा कि डॉलर का रेट कितना भी ऊपर नीचे हो, उन्हें पूरा उधार चुकाना पड़ेगा। राजपाल ने भले ही इस तंज को हंसते हुए लिया हो, लेकिन सलमान खान का गुस्सा भड़का है। उनका तीखा रिएक्शन सामने आया है।

सलमान खान ने ङ्ग पर पोस्ट लिखकर राजपाल को सपोर्ट किया है। एक्टर की बेइज्जती करने वालों को भाईजान ने दो टूक जवाब दिया है। उन्होंने लिखा- राजपाल भाई आप 30 साल से काम कर रहे हो और हम सबने आपको रिपीट किया है बार बार, क्योंकि आप अपना काम जानते हो, आप अपने काम में एक वैल्यू लाते हो। काम तो आपको बहुत मिलेगा और इसी डॉलर रेट पर मिलेगा और मिलते रहेगा। हकीकत ये है। और ये याद रखना कि कभी कभी फ्लो में कुछ निकल आता है, देना ही है तो दिमाग में रखो, दिल से काम करो। डॉलर ऊपर हो या नीचे, क्या फर्क पड़ता है, देना तो इंडिया में ही है। राजपाल ने सलमान की पोस्ट का जवाब दिया है। उन्होंने कमेंट कर लिखा- भाई, मेरे 30 साल के सफर को सराहने के लिए बहुत बहुत शुक्रिया। आप हमेशा एक बड़े भाई की तरह रास्ता दिखाते आए हैं। लव यू भाई।

मेट्रो बाजार

क्विक कॉमर्स का असर: सुविधा बन रही खरीदारी की पहली पसंद

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 70 प्रतिशत से ज्यादा उपभोक्ताओं ने कहा कि अगर छूट कम भी हो जाए, तब भी वे क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल जारी रखेंगे। इससे साफ है कि अब लोग कीमत से ज्यादा तेजी और सुविधा को प्राथमिकता दे रहे हैं। ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में रोजमर्रा की किराना खरीदारी के लिए मोहल्ले की दुकानें (किराना स्टोर) अभी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और भरोसे पर आधारित लेन-देन के लिए लोगों की पहली पसंद बनी हुई हैं। हालांकि, पिछले एक साल में 51 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने बताया कि उनका किराना दुकानों पर निर्भरता कम हुई है। करीब 45 प्रतिशत लोग क्विक कॉमर्स का इस्तेमाल आखिरी समय या जरूरी सामान खरीदने के लिए करते हैं, जबकि 24 प्रतिशत लोग दूध और ब्रेड जैसे रोजमर्रा के सामान के लिए इसका उपयोग करते हैं। वहीं, 19 प्रतिशत लोग स्नैक्स और पेय पदार्थ जैसी अचानक खरीदारी (इम्पल्स बाइंग) के लिए इन प्लेटफॉर्म्स का सहारा लेते हैं। दूसरी ओर, 13 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे अब पहले से ज्यादा किराना दुकानों पर निर्भर हैं, जबकि 27 प्रतिशत लोगों की खरीदारी की आदतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, किराना दुकानदारों को भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जैसे कम मुनाफा (मार्जिन), कम समय का उधार (क्रेडिट साइकिल) और ग्राहकों की बढ़ती अपेक्षाएं, खासकर प्रोडक्ट की उपलब्धता और विविधता को लेकर। हालांकि, कई किराना दुकानदार अब डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ जुड़ने के लिए तैयार हैं।

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन ने शुरू किया टाइगुन का उत्पादन , मेक इन इंडिया को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली । स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएवीडब्ल्यूआईपीएल) ने मंगलवार को पुणे स्थित अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में अपडेटेड फॉक्सवैगन टाइगुन का उत्पादन शुरू करने का ऐलान किया, इससे कंपनी की मेक इन इंडिया, फॉर इंडिया एंड द वर्ल्ड रणनीति को मजबूती मिली है। कंपनी के अनुसार, अपडेटेड टाइगुन में नया डिजाइन और बेहतर प्रीमियम फीचर्स दिए गए हैं, साथ ही इसे भारतीय ड्राइविंग परिस्थितियों के अनुरूप बनाया गया है। यह यूरोपीय ड्राइविंग डायनामिक्स, आराम और सुरक्षा मानकों पर केंद्रित है।कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ पीयूष अरोरा ने कहा, ÷नई फॉक्सवैगन टाइगुन का उत्पादन शुरू होना भारत में हमारे मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम की परिपक्वता को दर्शाता है।÷ उन्होंने आगे कहा कि कंपनी की भारत स्थित इकाइयां वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी वाहनों का उच्च स्तरीय स्थानीयकरण करने के लिए तैयार हैं, जिससे यह घरेलू और निर्यात दोनों बाजारों की जरूरतों को कुशलतापूर्वक पूरा कर सके। फॉक्सवैगन इंडिया के ब्रांड निदेशक नितिन कोहली ने कहा कि ताइगुन लॉन्च के बाद से ही कंपनी की एसयूवी

रणनीति का केंद्र रही है और कंपनी के पोर्टफोलियो को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि चाकन प्लांट में उत्पादन भारतीय उपभोक्ताओं के प्रति कंपनी की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 2021 में लॉन्च हुई ताइगुन ने प्रदर्शन, आराम और सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। इसके अलावा, ऑटो कंपनी के अनुसार, भारत में अब तक 1.43 लाख से अधिक यूनिट्स का उत्पादन हो चुका है, जिनमें से लगभग 30 प्रतिशत का निर्यात वैश्विक बाजारों में किया गया है।

वीर नारायण सिंह स्मारक एवं जनजातीय संग्रहालय

देश का पहला डिजिटल म्यूजियम जहां है इतिहास के अनछुए पहलुओं की दास्तां

रायपुर से लौटकर राजेश सिरोठिया

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में हाल में स्थापित म्यूजियम , आजादी के संघर्ष में उन भूले बिसरे आदिवासियों के नायकों के इतिहास का जीवंत स्मरण और चित्रण कराता है जिन्हें इतिहास के पन्नों में शुमार ही नहीं किया गया। या फिर उनको दरकिनार कर दिया गया। सवाल यही है- क्या हमने अपने असली नायकों को भुला दिया? या इतिहास आधा अधूरा लिखा गया? यह कहानी सिर्फ अतीत की नहीं, हमारी पहचान की है। अगर हम इन्हें भूल गए तो शायद हम अपने इतिहास को भी भूल जाएंगे। शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक एवं जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय केवल एक इमारत नहीं, बल्कि इतिहास के उस उपेक्षित अध्याय का पुनर्जागरण है जो आधुनिक तकनीकों की बुनियाद पर खड़ा है। यह अतीत का स्मरण ही नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक वैचारिक दिशा भी पेश करता है।

इसे देखकर और समझकर यही सवाल जेहन में उठता है कि क्या भारत की आजादी की कहानी सच में अधूरी है? क्या इतिहास के कुछ पन्ने आज भी अनकहे हैं...। यह कहानी है उन लोगों की है

जिन्होंने आजादी की लड़ाई सबसे पहले लड़ी, लेकिन उनके अवदान को भुला दिया गया। यह एक सच्चाई है, जो इतिहास की किताबों में पूरी तरह दर्ज नहीं हो पाई। जब देश के बड़े शहरों में अंग्रेजी हुकूमत मजबूत हो रही थी, तब ठेठ जंगलों में विद्रोह की चिंगारी भड़क चुकी थी। इन्हें वहां के आदिवासी नायकों ने हवा दी थी। हल्बा विद्रोह ... भील आंदोलन... उलगुलान...। ये सिर्फ आंदोलन नहीं थे। ये अस्तित्व की लड़ाई थी। जल जंगल जमीन के लिए और आज़ादी के लिए....।

इस संग्रहालय को एक नवंबर 2025 को छत्तीगगढ़ राज्य की पच्चीसवीं सालगिरह पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम समर्पित किया। अगर आप छत्तीगढ़ घूमने के लिहाज से जा रहे हैं तो इस संग्रहालय के लिए वक्त निकालना नहीं भूलें। इसमें जो कहानी देखने - सुनने को मिलेगी वो नई पीढ़ी को आजादी की जंग की किताबों में नहीं मिलेगी। ऐसी कहानी जो गरीबों के लिए अनाज लूटने से लेकर अंग्रेजों के खिलाफ सिर्फ विद्रोह तक समेटे है । यह न्याय की लड़ाई थी। इस यह संग्रहालय की हरेक दीवार पर दर्ज चित्र और प्रतिकृतियां एक संघर्ष की गवाही देती हैं।

इसकी खासियत यही है कि यह देश का पहला ऐसा पहला डिजिटल ट्राईबल फ्रीडम फाईटर्स म्युजियम है , जहां बगैर किसी गाइड की मदद से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से वीएफएक्स प्रोजेक्शन तथा हर गैलरी में हर चित्र के पास लगे क्यू आर कोड को स्कैन करके आप उस अनछुए इतिहास की दास्तां को अपने कैमरे या आडियो गैलरी में संजोकर रख सकते हैं। ऐसे संग्रहालयों का महत्व तभी सार्थक होगा जब उन्हें शिक्षा और सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाया जाए। इस संग्रहालय का भवन अपनी जगह है , लेकिन इतिहास के पन्नों से गुम उन गुमनाम आदिवासियों की कहानी को जुटाने में संग्रहालय के निदेशक अनिल बिरूलेकर ने जो बरसों मेहनत की है उसका जिक्र किए बगैर इस दस एकड़ में फैले 45 करोड़ की लागत से निर्मित संग्रहालय का कहानी पूरी नहीं हो सकती।

दरअसल भारत का स्वाधीनता संग्राम केवल दिल्ली , मुंबई या कोलकाता की कहानी नहीं था। यह जंगलों, पहाड़ों और दूरदराज़ के गांवों में भी उतनी ही तीव्रता से लड़ा गया। आदिवासी समुदायों ने अपने अस्तित्व, जल-जंगल-जमीन और संस्कृति की रक्षा के लिए अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह किया। हल्बा विद्रोह, भील आंदोलन और बिरसा मुंडा का उलगुलान जैसे संघर्ष इस बात के प्रमाण हैं कि स्वतंत्रता की लौ हर कोने में जल रही थी। जब देश विकास और आधुनिकता की ओर तेजी से बढ़ रहा है, तब यह संग्रहालय हमें याद दिलाता है कि हमारी जड़ों में संघर्ष, बलिदान और सामूहिक चेतना निहित है। यह हमें सिखाता है कि असली प्रगति वही है, जो अपने इतिहास और संस्कृति को साथ लेकर आगे बढ़े।

न्यूज विंडो

ईरान और अमेरिका के सीजफायर के बीच किम जोंग ने किया मिसाइल प्रक्षेपण

सियोल। जहां एक ओर ईरान-अमेरिका के बीच सीजफायर की खबर से जहां दुनिया भर में लोग राहत महसूस करने लगे वहीं इस उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट से मिसाइल दाग कर अपने पड़ोसी देश दक्षिण कोरिया में हड़कंप मचा दिया। किम जोग के नेतृत्व वाले उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट से मिसाइल का प्रक्षेपण किया है। दक्षिण कोरिया की सेना के मुताबिक उत्तर कोरिया ने समुद्र की ओर कई छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। पिछले दो दिनों में यह उसका दूसरा मिसाइल परीक्षण था। दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ़ स्टाफ़ ने बताया कि ये मिसाइलें उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय इलाके वॉनसन से दागी गई और हर मिसाइल लगभग 240 किलोमीटर (150 मील) की दूरी तय करते हुए उत्तर कोरिया के पूर्वी समुद्री क्षेत्र की ओर बढ़ी। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया, अमेरिका के साथ अपने मज़बूत सैन्य गठबंधन के तहत, उत्तर कोरिया की किसी भी उकसावे वाली कार्रवाई का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सीआरपीएफ कैंप में घुसे दो युवक पकड़े, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

रामपुर। सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर में बिना अनुमति प्रवेश करने का मामला सामने आने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। कैंप के मुख्य गेट पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने दो संदिग्ध युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने दोनों से पूछताछ के बाद उनका चालान कर दिया है। सीआरपीएफ में तैनात उप कमांडेंट सौरव राजपूत की तहरीर के अनुसार, दोनों युवक बाइक से कैंप परिसर में प्रवेश कर गए थे। ड्यूटी पर तैनात गार्ड ने उन्हें संदिग्ध रूप से घूमते देखा और रोककर पूछताछ की। शुरुआत में दोनों संतोषजनक जवाब नहीं दे सके और गुमराह करने का प्रयास किया। सख्ती से पूछताछ करने पर एक ने अपना नाम नईम निवासी ग्राम पटवाई और दूसरे ने भूरा निवासी ग्राम घोसीपुरा बताया। घटना को गंभीर मानते हुए सीआरपीएफ प्रशासन ने सिविल लाइंस थाना पुलिस को तहरीर दी। इसके आधार पर दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। घटना के बाद कैंप की सुरक्षा और सख्त कर दी गई है।

इतिहास रचकर लौट रहा आर्टेमिस-2: चंद्रमा की सीमा पार

वॉशिंगटन। चंद्रमा की ऐतिहासिक यात्रा पूरी करने के बाद आर्टेमिस 2 मिशन के चारों अंतरिक्ष यात्री अब सुरक्षित रूप से पृथ्वी की ओर लौट रहे हैं। मंगलवार रात करीब 10:55 बजे (भारतीय समयानुसार) उनका ओरियन स्पेसक्राफ्ट चंद्रमा के उस क्षेत्र से बाहर निकल आया, जहां तक चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण प्रभावी रहता है। अब अंतरिक्ष यान पर पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण ज्यादा असर डाल रहा है और यह तेजी से पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है। चंद्रमा से दूर निकलने के बाद आर्टेमिस 2 मिशन के अंतरिक्ष यात्री अब लगभग तीन दिन की वापसी यात्रा पर हैं। इस दौरान उनका सबसे बड़ा लक्ष्य सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर लौटना है। बता दें कि इसके लिए वे समय-समय पर छोटे-छोटे इंजन फायर करेंगे, जिन्हें ट्राजेक्टरी करेक्शन बर्न कहा जाता है। इनका काम अंतरिक्ष यान की दिशा और गति को सही बनाए रखना होता है, ताकि वह बिल्कुल सही कोण से पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश कर सके।

बीजेपी कर रही जीत की हैट्रिक का दावा, कांग्रेस को सत्ता के वनवास के खत्म होने की आस

असम में बीजेपी की राह नहीं आसान कांग्रेस की चुनौतियां भी कम नहीं

दिसपुर, एजेंसी

असम में विधानसभा चुनाव में बीजेपी जीत की हैट्रिक लगाने का दावा कर रही है। कांग्रेस सत्ता के वनवास का अज्ञातवास खत्म होने की आस लगाए बैठी है। 2021 में बीजेपी ने कुल 93 सीटों पर चुनाव लड़कर 60 सीटें जीती थीं। जबकि बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए ने असम की 126 सीटों में से 75 सीटें जीती थीं। हालांकि, 2016 के मुकाबले एनडीए को 2021 में 11 सीटों का नुकसान हुआ था। उससे पहले 2016 में बीजेपी 60 सीटें जीतकर असम में पहली बार सत्ता में आई थी।

कांग्रेस का रिपोर्ट कार्ड

असम में बीते 10 सालों से सत्ता से बाहर कांग्रेस ने 2021 में 95 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन महज 29 सीटें जीत पाई। वहीं कांग्रेस के नेतृत्व वाले महाजोट गठबंधन ने 50 सीटें जीती थीं, तब एआईयूडीएफ उसके साथ था। इस बार बदरुद्दीन अजमल की पार्टी अकेले ताल ठोक रही है। 2026 में असम में बीजेपी 89 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। उसकी सहयोगी पार्टी तक्को 26 और बीपीएफ को गठबंधन में 11 सीटें मिली हैं। 2021 में एआईयूडीएफ के सुप्रीमो बदरुद्दीन अजमल की पार्टी ने 20 सीटों पर चुनाव लड़ा और 16 सीटों पर जीत हासिल की थी। इस तरह 2016 के मुकाबले कांग्रेस की अगुवाई वाले गठबंधन को 2021 के चुनाव में कई सीटों का फायदा हुआ था। इस बार खुद को अकेला पाकर मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने देशभर के मुसलमानों की असली रहनुमाई का दावा करने वाले एआईएआईएम सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी को फोन लगाकर असम बुलाया। मौलाना ने अगले 2 दिन ओवैसी से AIUDF के प्रभाव वाले जिलों जैसे - धुबरी , गोलपारा, बारपेटा और नागांव में तूफानी चुनाव प्रचार कराया।

बीजेपी की ताकत

बीजेपी अपनी 'जन आशीर्वाद यात्रा' के जरिए जोरदार प्रचार अभियान चला रही है। पीएम मोदी और गृह मंत्री शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जैसे बड़े नेता लगातार रैलियां और बैठकें कर रहे हैं। बीते 10 साल में मोदी की सरकार ने नॉर्थ-ईस्ट में अरबों रुपये के विकास कार्य करवाए हैं। खासकर पूरे असम में सड़कों का जाल मजबूत हुआ है। राज्य में हाईवे का जाल बढ़ा है। ब्रिज, फ्लाईओवर जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम हुआ है। असम में अरुणोदय स्कीम के तहत 40 लाख महिलाओं को 3,600 करोड़ रुपए देने का मुद्दा आधी आबादी की भावनाओं से सीधे जुड़ा है। प्रियंका गांधी भी असम में प्रचार के दौरान ये बात घुमा फिराकर कह चुकी हैं। असम की हिमंता सरकार ने कुछ समय पहले ही यह रकम अरुणोदय- 3 योजना के तहत ट्रांसफर की थी।

किसको घाटा-किसको मुनाफा?

ये फिलहाल सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न है, जिसका कुछ अंदाजा 9 अप्रैल को मतदान खत्म होने के बाद मिलेगा। बाकी तस्वीर मतगणना वाले दिन साफ होगी। उसके पहले नजर डालते हैं बीजेपी और कांग्रेस की ताकत और कमजोरियों पर। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने चुनावी मुद्दों को बहुत तेजी से अपने पक्ष में मोड़ते हुए आक्रामक बढ़त पाने की कोशिश की है। बीजेपी का फोकस विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर, समावेशी शासन, आदिवासी-सांस्कृतिक पहचान और कल्याणकारी योजनाओं पर है।

एंटी-इंकमबेंसी

बीजेपी विकास की बात तो जोर-शोर से कर रही है, लेकिन कुछ बड़े मुद्दे ऐसे हैं जिनकी ओर अगर कांग्रेस ने जोरदार अपील की तो जीत-हार का मामला 50-50 हो सकता है।

महंगाई: जरूरी चीजों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जो आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी पर सीधा असर डालते हैं।

बेरोजगारी: हर साल लाखों युवा बेरोजगारों की लिस्ट में जुड़ रहे हैं। प्राइवेट सेक्टर में नौकरियां बहुत कम हैं।

छतरपुर और टीकमगढ़ में ओले गिरने का अनुमान

एमपी में 3 चक्रवात एक्टिव 18 जिलों में बारिश का अलर्ट

शिवपुरी में रात भर रुक-रुक कर बारिश हुई। सुबह से बादल छाए हुए हैं।

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के ऊपरी हिस्से में 3 साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) एक्टिव है। इस वजह से आंधी-बारिश का दौर फिर से शुरू हो गया है। मंगलवार को ग्वालियर-चंबल, सागर संभाग में मौसम बिगड़ा रहा। मौसम केंद्र भोपाल ने आज दतिया, निवाड़ी, छतरपुर और टीकमगढ़ में ओले गिरने का अनुमान जताया है।

वहीं ग्वालियर, भिंड, मुरैना, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, कटनी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर समेत 18 जिलों में 24 घंटे के अंदर बारिश होने का अलर्ट है। इससे पहले मंगलवार को भिंड, श्योपुर, मुरैना, शिवपुरी, श्योपुर, ग्वालियर, दतिया, निवाड़ी, गुना, अशोक नगर, टीकमगढ़, सतना के चित्रकूट और रीवा में मौसम का मिजाज बदला हुआ रहा। कहीं, तेज आंधी चली तो कहीं बारिश का दौर जारी रहा। शिवपुरी, दतिया, धार, पीथमपुर और झाबुआ में तेज बारिश हुई। वहीं रतलाम में धूल भरी हवाएं चलीं।

11 को नया सिस्टम

मौसम विभाग की मानें तो 11 अप्रैल को उत्तर-पश्चिमी हिस्से में नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव होगा, जिसका असर प्रदेश में भी देखने को मिल सकता है।

तेज आंधी भी चलेगी

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में तेज आंधी भी चलेगी। कुछ जिलों में इसकी अधिकतम रफ्तार 40 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रहेगी। बाकी में 30 से 40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चलेगी। मौसम का मिजाज दोपहर बाद ही बदलेगा।

प्राइवेट पार्ट्स में छिपाया 5 करोड़ का सोना एयरपोर्ट पर तस्करी का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

बेंगलुरु , एजेंसी

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के केंपेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई सामने आई है। राजस्व खुफिया निदेशालय के अधिकारियों ने एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किए हैं। इनके पास से करीब 5 करोड़ की कीमत के सोने के कैप्सूल और बिस्किट जब्त किए गए, जो कि प्राइवेट पार्ट्स में छिपाए गए थे।

पेस्ट के रूप में छिपाया था सोना

पकड़े गए लोगों पर आरोप है कि उन्होंने बांग्लादेश के रास्ते शहर में यह खेप तस्करी करके लाई थी। अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों ने सोने को कैप्सूल और पेस्ट के रूप में छिपा रखा था। पकड़े जाने से बचने के लिए इसे अपने शरीर के प्राइवेट पार्ट्स में छिपाया हुआ था।

बड़े नेटवर्क के जुड़े होने की आशंका

एयरपोर्ट से सभी पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस तस्करी के पीछे के बड़े नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। एयरपोर्ट में पहले भी कई बार सोना तस्करी में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। डीआरआई और पुलिस की टीम इन सभी मामलों की जांच कर रही है।

मकान तोड़ने पहुंचा प्रशासन, विरोध में बाप और दो बेटे फंदे पर झूले, अफसरों में मचा हड़कंप

शाहजहांपुर, एजेंसी

शाहजहांपुर के जलालाबाद के मझरेता मगटोरा गांव में चकरोड पर बने मकान को गिराने पहुंची पुलिस और राजस्व विभाग की टीम के सामने पिता और उसके दो पुत्रों ने पेड़ से फंदे से लटककर आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिसकर्मियों ने उन लोगों को बचाया।

एक बेटे के गले में फंदा ज्यादा कसने पर उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। उन लोगों ने राजस्वकर्मियों पर परेशान करने का आरोप लगाया है। मंगलवार को नायब तहसीलदार रोहित कटियार पुलिस व राजस्व टीम के साथ गांव पहुंचे। टीम ने चकरोड पर बने धनपाल के मकान को तोड़ना शुरू किया। इस पर धनपाल, उसके बेटे विवेक और दुर्गेश ने विरोध करना शुरू कर दिया। उनका कहना था कि वे लोग चार दशकों से ज्यादा समय से यहां पर रह रहे हैं। उन्हें पहले से सूचित भी नहीं किया गया। इस बीच क्षुब्ध होकर दुर्गेश, विवेक और धनपाल मकान के पास लगे नीम के पेड़ पर चढ़ गए। पेड़ पर रस्सी का फंदा डालकर गले में डाल लिया। ये देखकर पुलिसकर्मियों ने तीनों लोगों को नीचे उतारा। इस बीच विवेक के गले में पड़ा फंदा कस गया।

उसकी हालत बिगड़ी तो पुलिस ने उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। धनपाल का कहना है कि उनसे मकान न तोड़े जाने के बदले में चार लाख रुपये मांगे जा रहे थे। पूर्व विधायक राजेश यादव व पूर्व विधायक रोशनलाल वर्मा ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर हाल जाना। न्याय दिलाने का भरोसा दिया। नायब तहसीलदार रोहित कटियार का कहना है कि आरोप निराधार हैं। धनपाल का नवीन परती व चकरोड की जमीन पर कब्जा है। खाली करने के लिए कहा तो मना कर दिया। खाली कराने की कोशिश की तो ड्रामा किया। तुरंत एसडीएम प्रभात राय को जानकारी दी।

मेट्रो एंकर

सियासी डगर आसान नहीं, पंजाब में 15 साल में सात नए दल बने

पत्नी का समर्थन करेंगे या 'हाथ' के साथ रहेंगे सिद्धू!

चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले विभिन्न नेताओं द्वारा नई राजनीतिक पार्टी बनाने का ट्रेंड रहा है। साल 2012, 2017 व 2022 के चुनाव से पहले करीब 15 साल के अंतराल में सात नए सियासी दल वजूद में आए। इनमें से तीन का विलय हो गया। शेष पार्टियां अभी अस्तित्व में तो हैं मगर न तो चुनाव में कुछ जलवा दिखा पाईं और न ही पंजाब की सियासत और पंजाबियों पर कोई प्रभावशाली छाप छोड़ पाईं।

इसी कड़ी में 6 अप्रैल को कांग्रेसी नेता एवं पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर अब भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी (भारपा) के साथ सामने आई हैं। हालांकि यह पार्टी करीब नौ साल पुरानी बताई जा रही है मगर पंजाब के लिए यह नई पार्टी है। सिद्धू के समर्थक पिछले कुछ समय से इस पार्टी के संपर्क में थे। सिद्धू ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर भारपा के नेता अमलान बिस्वास के साथ पार्टी एक फोटो शेयर कर लिखा- जिस घोषणा का बेसब्री से इंतजार था, वह अब सामने है। हमने राजनीतिक नेताओं के मौजूदा कामकाज के स्तर को ध्यान से देखने और समीक्षा करने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर एक नए विकल्प पर काम करना शुरू कर दिया है।

सिद्धू कहती हैं कि हम समान सोच वाले कुछ ऐसे लोगों के साथ आ गए हैं, जिनके पास हर राज्य में काम करने की क्षमता, आत्मविश्वास, साहस और दृढ़ संकल्प है। अभी नवजोत कौर के पति नवजोत सिद्धू कांग्रेस में ही हैं। कांग्रेस से निष्कासन के बाद पूर्व विधायक नवजोत कौर ने यह स्पष्ट संकेत दे दिए हैं कि अगली विधानसभा चुनाव में वे इस नई पार्टी के साथ पंजाब में अगली पारी खेलने उतर सकती हैं। उधर अभी नवजोत कौर के पति नवजोत सिद्धू कांग्रेस में ही हैं। वे अपनी पत्नी की नई पार्टी का समर्थन करेंगे या कांग्रेस में बने रहेंगे, यह सिद्धू को अभी स्पष्ट करना है। वैसे सिद्धू की भी कांग्रेस के साथ दूरियां बढ़ती जा रही हैं। न तो राहुल गांधी उन्हें मिलने के लिए समय दे रहे हैं और न ही अन्य वरिष्ठ नेता उनसे कोई संपर्क रख रहे हैं।

वजूद में आ चुके कुछ सियासी दल: साल 2012 विधानसभा चुनाव से पहले अकाली नेता मनप्रीत सिंह बादल ने 27 मार्च 2011 को पीपल्स पार्टी ऑफ पंजाब बनाई। 87 सीटों पर चुनाव लड़ा। जीत नहीं मिली। साल 2017 के चुनाव से पहले इस पार्टी का 14 जनवरी 2016 को कांग्रेस में विलय हो गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564